RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 325 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 25-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 मंत्री किरोड़ी से जुड़े लोगों पर लगे आरोपों की हो निष्पक्ष जांच : डोटासरा

6 हादसों का मंज़र, व्यवस्था की लापरवाही

7 धीरे-धीरे वापसी की राह पर चल रही हूं : अलका याग्निक

## फर्स्ट टेक

### ईडी ने पीएमएलए मामले में कर्नाटक में कई स्थानों पर छापेमारी की

**बेंगलूरु/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कर्नाटक में पीएमएलए मामले में कई जगहों पर छापेमारी की, जिनमें कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सतीश जारकीहोली के बहनोई वाई. मंजूनाथ के परिसर भी शामिल थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई राज्य के आबकारी विभाग में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सुरक्षा टीम के साथ बेलगावी, बेंगलूरु और मैसूरु जिलों में लगभग 18 परिसरों में छापेमारी की गई।

### व्हाट्सऐप आधारित 'मन मित्र' ने मंदिरों के लिए 22.2 करोड़ रुपए जुटाये

**अमरावती/भाषा।** आंध्र प्रदेश सरकार के 'मन मित्र' व्हाट्सऐप शासन मंच ने बंदोबस्ती विभाग के तहत आने वाले 21 प्रमुख मंदिरों के लिए 22.2 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया है, जो राज्य में डिजिटल सेवाओं के बढ़ते उपयोग को दर्शाता है। व्हाट्सऐप के माध्यम से श्रद्धालुओं को मंदिर सेवाएं उपलब्ध कराने वाले इस डिजिटल मंच का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में दर्शन और सेवा टिकटों की लगभग 30 प्रतिशत बुकिंग इसी माध्यम से की जा रही है। बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''मन मित्र व्हाट्सऐप शासन मंदिर सेवाओं के लिए एक प्रमुख डिजिटल मंच बनकर उभरा है। इसने बंदोबस्ती विभाग के 21 प्रमुख मंदिरों के लिए 22.2 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया है और श्रद्धालुओं को दर्शन एवं सेवा टिकट बुक करने तथा ऑनलाइन दान देने की सुविधा प्रदान की है।''

### पाकिस्तान में चरमपंथियों ने बालिका विद्यालय को विस्फोट कर उड़ाया

**पेशावर/भाषा।** पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात चरमपंथियों ने एक बालिका विद्यालय की इमारत को विस्फोट कर उड़ा दिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की सीमा से सटे दक्षिण वजीरिस्तान जिले की बिरमल तहसील के सारा घोवारा इलाके में स्थित प्राथमिक विद्यालय को मंगलवार देर रात डायनामाइट का इस्तेमाल करके नष्ट कर दिया गया। पुलिस और स्थानीय निवासियों के अनुसार, हाल के महीनों में निचले दक्षिणी वजीरिस्तान में शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाकर किए जाने वाले हमलों में बढ़ोतरी हुई है।

25-06-2026 सूर्यास्त 6:49 बजे | 26-06-2026 सूर्योदय 5:55 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 76,991.22 | 24,021.65 |
| (+790.54) | (+197.55) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 14,861 रु. | 222,580 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

**मिशन मंडेला**
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

**धर्मान्तरण**

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।।

## नियुक्ति पत्र

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को 401 लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जिनमें से 383 सहायक अभियंता (विद्युत) टीएनपीएससी के माध्यम से चयनित हुए हैं। इनमें तमिलनाडु विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (टीएनपीएससी) में नियुक्त 18 सहायक लेखा अधिकारी भी शामिल थे। ऊर्जा विभाग की ओर से यहां कलैवाणर अरंगम में आयोजित एक कार्यक्रम में ये नियुक्ति पत्र सौंपे गए। एक अनोखी पहल के तहत मुख्यमंत्री मंच से नीचे उतरकर गर्भवती महिला आर. अक्षयलक्ष्मी के पास गये और उन्हें व्यक्तिगत रूप से उनकी नियुक्ति का पत्र सौंपा। हाल में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई एक समीक्षा बैठक के दौरान यह बताया गया कि बिजली बोर्ड में व्याप्त समस्याओं के कारणों में से एक विभिन्न स्तरों पर 70,000 से अधिक पदों की रिक्ति थी। मुख्यमंत्री ने बाद में एक वर्ष के भीतर कम से कम 15,000 पदों को भरने के लिए कदम उठाने के आदेश दिए, जिसका उद्देश्य युवाओं के लिए रोजगार सृजित करना और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

## प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल मंचों के दुरुपयोग पर चिंता जताई

# लोगों को विभागो के चक्कर काटने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए : मोदी

- प्रधानमंत्री ने चार राज्यों में सड़क, बिजली, औद्योगिक गलियारे और मेट्रो रेल क्षेत्रों से जुड़ी करीब 30,000 करोड़ रुपए की लागत वाली चार महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी समीक्षा की।
- प्रधानमंत्री ने स्पष्ट जिम्मेदारी, त्वरित प्रतिक्रिया, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, बैंकों व डिजिटल मंचों के बीच बेहतर समन्वय और बड़े पैमाने पर जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल मंचों के जरिए लोगों से धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर बुधवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि ऐसे मामलों में सभी संबंधित एजेंसियों को समन्वित, संवेदनशील और समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करनी चाहिए। मोदी ने ये टिप्पणियां साइबर अपराध और 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए होने वाली धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा के दौरान कीं।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, उन्होंने चार राज्यों में सड़क, बिजली, औद्योगिक गलियारे और मेट्रो रेल क्षेत्रों से जुड़ी करीब 30,000 करोड़ रुपए की लागत वाली चार महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी समीक्षा की।

प्रधानमंत्री ने यह समीक्षा 'प्रगति' की 52वीं बैठक में की। प्रगति एक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) आधारित बहु-आयामी मंच है, जिसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों को एक साथ जोड़कर सक्रिय शासन व योजनाओं को समय पर लागू करना है।

साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए मोदी ने कहा कि लोगों को एक विभाग या एजेंसी से दूसरे विभाग के चक्कर काटने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट जिम्मेदारी, त्वरित प्रतिक्रिया, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, बैंकों व डिजिटल मंचों के बीच बेहतर समन्वय और बड़े पैमाने पर जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में वित्तीय नुकसान को रोकने और जनता का भरोसा बहाल करने के लिए समय पर की गई कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने सभी हितधारकों से रोकथाम, जानकारी प्रदान करने, जांच और शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों को साइबर धोखाधड़ी के मामलों में तेजी से मामला दर्ज करने और त्वरित कार्रवाई के लिए 'ई-जीरो एफआईआर' तंत्र को सक्षम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

बयान के अनुसार, आर्थिक विकास, क्षेत्रीय संपर्क, औद्योगिक विकास और जन कल्याण के लिए महत्वपूर्ण इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा समय-सीमा, अंतर-एजेंसी समन्वय, मुद्दों के समाधान और समय पर काम पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए की गई।

## पाकिस्तानी वायुक्षेत्र में दाखिल हुआ एअर इंडिया का विमान

### एटीसी, चालक दल पर कार्रवाई

**नई दिल्ली/भाषा।** एअर इंडिया का एक विमान सोमवार रात राष्ट्रीय राजधानी से उड़ान भरने के बाद अमृतसर हवाई अड्डे पर 'गो-अराउंड' (उतरने से पहले आसमान में चक्कर लगाने का निर्देश) की प्रक्रिया के दौरान पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में दाखिल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कहा कि अमृतसर में वायु यातायात नियंत्रक और विमानन कंपनी के उक्त विमान को संचालित कर रहे चालक दल के सदस्यों के खिलाफ अंतरिम कार्रवाई की गई है, क्योंकि उन्होंने घटना की जानकारी नहीं दी। एअर इंडिया ने बुधवार को एक बयान में कहा कि घटना की जानकारी डीजीसीए को दे दी गई है और इसकी आंतरिक जांच की जा रही है। डीजीसीए ने एक बयान में कहा कि 'रडार वेक्टरिंग' के आधार पर 'गो-अराउंड' की प्रक्रिया शुरू करने के बाद विमान कुछ देर के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में चला गया था।

## दूरसंचार क्षेत्र में नई मंजूरी आधारित व्यवस्था लागू, सरकार ने जारी किए नियम

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने दूरसंचार क्षेत्र में पुरानी लाइसेंस व्यवस्था को समाप्त कर उसकी जगह एक नई 'मंजूरी आधारित रूपरेखा' को लागू करने वाले नियमों को अधिसूचित कर दिया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने 'टेलीकॉम ई-सर्विसेज पोर्टल' को भी अधिसूचित किया है, जो दूरसंचार अधिनियम के प्रावधानों को डिजिटल रूप से लागू करने में सक्षम बनाएगा। दूरसंचार अधिनियम के तहत अधिसूचित नियमों में 'दूरसंचार (मुख्य दूरसंचार सेवाओं के प्रावधान के लिए मंजूरी) नियम, 2025' शामिल हैं। ये नियम दूरसंचार कंपनियों को पुरानी लाइसेंस व्यवस्था से नए मंजूरी आधारित ढांचे में स्थानांतरित करते हैं। दूरसंचार विभाग की अधिसूचना के अनुसार, इस नए ढांचे से जुड़े नियमों का मसौदा पांच सितंबर, 2025 को प्रकाशित किया गया था और हितधारकों से सुझाव मांगे गए थे। इस अवधि में प्राप्त टिप्पणियों और सुझावों पर केंद्र सरकार ने विचार करने के बाद इन्हें अंतिम रूप दिया है।

नए नियमों के तहत कोई भी पात्र इकाई दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने के लिए सरकार के पास आवेदन कर सकती है।

### शिवराज के बेटे से जुड़े

## मानहानि प्रकरण में राहुल गांधी ने लिखित में खेद जताया

**जबलपुर/भाषा।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे से जुड़े मानहानि के एक मामले में बुधवार को जबलपुर उच्च न्यायालय में लिखित में अपने बयान पर खेद व्यक्त किया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने गांधी के खेद संबंधी आवेदन पर बृहस्पतिवार को सुनवाई निर्धारित की है। मामला मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की ओर से दायर मानहानि वाद से जुड़ा हुआ है। याचिका पर बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान गांधी ने अपने बयान पर खेद व्यक्त किया।

## कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके पुत्र प्रियंक खरगे पर जमीन हड़पने का आरोप

- भाजपा ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके पुत्र प्रियंक खरगे ने ''सत्ता और प्रभाव'' का दुरुपयोग करके कर्नाटक के विभिन्न स्थानों पर जमीनों पर कब्जा किया है।

भाजपा ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि खरगे और कर्नाटक सरकार में मंत्री उनके पुत्र अपने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिये कांग्रेस शासित राज्य में ''भूमि लूट'' में शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''उनकी कार्यप्रणाली रॉबर्ट वाद्रा और राहुल गांधी के परिवार से प्रेरित है।''

प्रियंक खरगे ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा ''आरएसएस को खुश करने के लिए'' बहुत कोशिश कर रही है।

कर्नाटक के गृह मंत्री ने भाजपा से पूछा, ''कर्नाटक में आपके पांच भाजपा मुख्यमंत्री रहे हैं। उनमें से किसी ने भी कार्रवाई क्यों नहीं की? मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों से सत्ता में है। अगर कोई गड़बड़ी हुई थी, तो मैं अभी भी आजाद क्यों घूम रहा हूं और जेल में क्यों नहीं हूं?'' उन्होंने कहा, ''मेरे दस्तावेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं और मैं किसी भी मंच पर इस पर चर्चा करने के लिए तैयार हूं।''

खरगे और उनके पुत्र पर भाजपा का यह आरोप तब सामने आया है जब एक दिन पहले कांग्रेस ने सवाल उठाया था कि केंद्रीय जांच एजेंसियां मध्य प्रदेश में कथित भूमि घोटाले में शामिल लोगों की जांच क्यों नहीं कर रही हैं। कांग्रेस ने उन खबरों का हवाला देते हुए यह सवाल उठाया था जिनमें मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार के सदस्यों की संलिप्तता का दावा किया गया था।

भाजपा ने यादव के खिलाफ लगाए गए आरोपों को ''बेबुनियाद'' बताया था।

भंडारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु में सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए 100 करोड़ रुपए मूल्य की पांच एकड़ जमीन आवंटित की, जबकि उस ट्रस्ट के पास इस तरह के कार्य का कोई पूर्व अनुभव नहीं था।

## नीरव मोदी को बैंक ऑफ इंडिया को 1.15 करोड़ डॉलर चुकाने होंगे : ब्रिटेन की अदालत

**लंदन/भाषा।** लंदन के उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को बैंक ऑफ इंडिया को 1.15 करोड़ डॉलर से ज़्यादा की रकम चुकानी होगी। इस रकम में निजी कर्ज की गारंटी पर लगने वाला ब्याज भी शामिल है। नीरव (55) ने उस व्यक्तिगत गारंटी की वैधता पर सवाल उठाया था, जो दुबई में पंजीकृत फायरस्टार डायमंड एफजेडई नामक उसकी संबद्ध कंपनी को दिए गए ऋण से जुड़ी थी। जेल में बंद नीरव दो अरब अमेरिकी डॉलर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी और धन शोधन मामले में भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ मुकदमा लड़ रहा है। मंगलवार को लंदन सर्किट कमर्शियल कोर्ट में सुनाए गए फैसले में न्यायमूर्ति साइमन टिंकलर ने बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में निर्णय दिया। यह फैसला एक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आया, जो ब्रिटेन जेल सेवा के भीतर दस्तावेजों के स्थानांतरण में हुई देरी के कारण जटिल हो गई थी।

## पाकिस्तान के एक आतंकी संगठन के साथ संबंध रखने के संदेह में कर्नाटक में एक व्यक्ति गिरफ्तार

**दावणगेरे।** पाकि-स्तान के एक आतंकवादी संगठन से संबंध रखने के संदेह में एक व्यक्ति को कर्नाटक के दावणगेरे ज़िले में गिरफ़्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुहेल (20) हाल में अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश से दावणगेरे के हरिहर तालुक आया था, जहां वह पेंटर का काम कर रहा था। उसने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से प्राप्त जानकारी के आधार पर मंगलवार को खुफिया अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान में सुहेल को पकड़ा गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस संबंध में ज्यादा खुलासा न करते हुए सिर्फ इतना कहा, ''हमने आरोपी को पकड़ लिया और उसे संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दिया।'' पुलिस के अनुसार सुहेल के व्हाट्सअप अकाउंट पर आतंकवाद से संबंधित संदिग्ध सामग्री मिली और कथित तौर पर वह पाकिस्तान में मौजूद कई लोगों के संपर्क में था। इस गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले ही चार जून को तुमकुरु और दावणगेरे ज़िलों से दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया था। दोनों पर आरोप है कि वे सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में रहने वाले एक व्यक्ति के संपर्क में थे और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के ख़िलाफ़ गतिविधियों की साज़िश रच रहे थे।

## ईरान के परमाणु स्थलों का निरीक्षण होगा, यह होकर रहेगा : ग्रॉसी

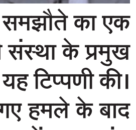

**टोक्यो/एपी।** अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी ने बुधवार को संकेत दिया कि एजेंसी के निरीक्षक ईरान के परमाणु संवर्धन स्थलों का दौरा करेंगे जो युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते का एक मुख्य हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ग्रॉसी ने टोक्यो में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

पिछले साल इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद से तेहरान ने आईएईए निरीक्षकों की परमाणु स्थलों तक पहुंच सीमित कर दी थी। माना जाता है कि इन स्थलों पर ईरान ने इतना अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम जमा कर रखा है कि उससे लगभग 10 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। हालांकि, ईरान लगातार यह दावा करता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

## उत्तर कोरिया की नौसेना में 5,000 टन वजनी नए युद्धपोत शामिल : किम का दावा

**सियोल/एपी।** उत्तर कोरिया ने 5,000 टन वजन वाला एक विध्वंसक युद्धपोत अपनी नौसेना में शामिल किया है और देश के नेता किम जोंग उन ने इसे देश की बढ़ती नौसैनिक और परमाणु क्षमताओं का प्रतीक बताया है। सरकारी मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई।

उत्तर कोरिया की 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' की खबर के अनुसार किम ने मंगलवार को पश्चिमी बंदरगाह नाम्पो में आयोजित एक समारोह में कहा कि 'चोए ह्योन' जैसे युद्धपोत यह दिखाते हैं कि उनकी नौसेना का परमाणु सशक्तीकरण योजना के मुताबिक हो रहा है।

केसीएनए की खबर के अनुसार, समारोह के बाद चोए ह्योन को औपचारिक रूप से उत्तर कोरिया की नौसेना में सेवा के लिए तैनात कर दिया गया और इसे देश के पश्चिमी तट की रक्षा करने का जिम्मा सौंपा जाएगा।

अप्रैल 2025 में इस जहाज को पहली बार दुनिया के सामने लाने के बाद से ही, किम इसे अपनी सेना की परिचालन पहुंच और पहले हमला करने की क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताते रहे हैं।

### मुंबई की लोकल ट्रेन में

## दरवाजे खुले रखने को लेकर हुए विवाद में व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** मुंबई की एक लोकल ट्रेन में बारिश के दौरान दरवाजे खुले रखने को लेकर हुए विवाद के बाद 22 वर्षीय एक युवक की उसके सह-यात्री ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। इस साल लोकल ट्रेनों में चाकूबाजी की यह दूसरी घटना है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान बाद में सचिन रमेश सुवर्णा (30) के रूप में हुई, जिसे करीब 400 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और बड़े पैमाने पर चलाए गए तलाश अभियान के बाद कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित मयंक लोहार पर सुवर्णा ने मंगलवार को पश्चिमी उपनगर के अंधेरी और बोरीवली रेलवे स्टेशनों के बीच एक प्रथम श्रेणी के डिब्बे के भीतर जानलेवा हमला किया था। इसी दिन शहर में मानसून ने भी दस्तक दी थी। अधिकारियों ने बताया कि चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट लोकल ट्रेन रात 10:42 बजे जब अंधेरी स्टेशन पर पहुंची, तभी लोहार और सुवर्णा के बीच तीखी बहस शुरू हो गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट लोकल ट्रेन रात 10:42 बजे जब अंधेरी स्टेशन पर पहुंची, तो लोहार और एक अन्य यात्री के बीच बहस हो गई। उन्होंने बताया कि उनमें से एक चाहता था कि दरवाजे खुले रखे जाएं, जबकि दूसरे ने बारिश का हवाला देते हुए इसपर आपत्ति जताई।

अधिकारियों के मुताबिक, बहस के दौरान आरोपी ने एक धारदार हथियार निकाला और लोहार के पेट में घोंप दिया। इस हमले में लोहार गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बोरिवली स्टेशन पर ट्रेन के रूकने से पहले ही आरोपी उससे कूदकर भाग गया।

उन्होंने बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षाबल (आरपीएफ) के कर्मियों की मदद से लोहार को एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

# भारत-अमेरिका ने की व्यापार समझौते पर प्रगति की समीक्षा, अंतरिम करार को लेकर चीजें अभी साफ नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत और अमेरिका ने दो दिवसीय मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हुई प्रगति की समीक्षा की और बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार तथा गैर-शुल्क बाधाओं जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, अगले महीने समाप्त हो रही एक महत्वपूर्ण शुल्क समयसीमा से पहले सभी मतभेद सुलझने का कोई संकेत नहीं मिला है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर वार्ता की, जिसे दोनों पक्ष इस वर्ष की शुरुआत में बनी रूपरेखा के बाद से आगे बढ़ा रहे हैं।

वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को वार्ता समाप्त होने पर जारी बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख तत्वों की व्यापक समीक्षा की, जिनमें बेहतर बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, गैर-शुल्क बाधाओं में कमी और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के मार्गों पर चर्चा की और इस बात की पुष्टि की कि वे एक ऐसे समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं जो 'संतुलित और व्यावसायिक रूप से सार्थक हो।

ग्रीर की 22 से 24 जून की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब दोनों देश 24 जुलाई को समाप्त हो रहे अस्थायी 10 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क ढांचे से पहले अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, बयान में कहा गया कि महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन दोनों पक्षों ने यह नहीं बताया कि लंबित मुद्दों को सुलझा लिया गया है या नहीं। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह यात्रा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को संतुलित और दोनों देशों के लिए लाभकारी स्वरूप देने तथा सात फरवरी, 2026 के संयुक्त बयान के अनुरूप अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बयान के अनुसार, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के बीच कई दौर की वार्ता हुई, जिसमें बाजार पहुंच बढ़ाने, डिजिटल व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, गैर-शुल्कीय बाधाओं को कम करने और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने जैसे मुद्दों पर व्यापक समीक्षा की गई। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी सहमति जताई कि व्यापार समझौता संतुलित, व्यावसायिक दृष्टि से सार्थक और दोनों देशों के कारोबारियों, किसानों, श्रमिकों तथा उपभोक्ताओं के लिए ठोस लाभ पहुंचाने वाला होना चाहिए।

मंत्रालय ने कहा कि बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य के बीच भारत-अमेरिका आर्थिक साझेदारी के बढ़ते महत्व को देखते हुए दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और विश्वसनीय एवं मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

# क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी मामले में पांच दिन के भीतर 'अस्थायी' तौर पर राशि वापस करें बैंक : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को कहा कि क्रेडिट कार्ड के जरिये धोखाधड़ी वाले इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन के बारे में ग्राहक से शिकायत मिलने की तारीख से पांच दिन के भीतर 'शैडो रिवर्सल' यानी विवादित रकम अस्थायी रूप से खाते में अंतरित कर देना चाहिए।

आरबीआई ने डिजिटल लेनदेन में ग्राहकों की जवाबदेही को सीमित करने के लिए संशोधित नियम जारी कर यह व्यवस्था दी है।

बैंकों में 'शैडो रिवर्सल' का मतलब रकम की अस्थायी वापसी से है। इससे संबंधित ग्राहकों को तुरंत आर्थिक राहत मिलती है, हालांकि जांच पूरी होने तक आम तौर पर इन पैसों को निकाला नहीं जा सकता है।

संशोधित नियमों के अनुसार, बैंक को अपनी प्रणाली ऐसी बनानी चाहिए जिनसे ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन (ईबीटी) करने में सुरक्षित महसूस करें। ग्राहकों द्वारा किए जाने वाले ईबीटी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली और प्रक्रियाएं लागू करनी चाहिए।

आरबीआई ने कहा, ''बैंक को 500 रुपये से अधिक मूल्य के सभी ईबीटी के लिए अपने ग्राहकों को तुरंत एसएमएस अलर्ट भेजना अनिवार्य होगा। 500 रुपये तक के मूल्य वाले ईबीटी के लिए, बैंक अपनी आंतरिक नीति के अनुसार तुरंत एसएमएस भेजने का फैसला कर सकता है, लेकिन ग्राहक से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।''

ये नियम एक जनवरी, 2027 से लागू होंगे।

साथ ही, संदेश भेजने और जवाब पाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक की संचार प्रणाली को संदेश की डिलिवरी और ग्राहक के जवाब (यदि कोई हो) मिलने की तारीख और समय रिकॉर्ड करना होगा।

आरबीआई ने कहा कि ग्राहक से किसी धोखाधड़ी वाले ईबीटी के बारे में शिकायत मिलने पर, बैंक को ग्राहक के खाते में आगे और अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए।

इसमें कहा गया, ''अगर बैंक की लापरवाही या कमी के कारण धोखाधड़ी वाला ईबीटी होता है, तो ग्राहक की जवाबदेही शून्य होगी और लेनदेन से जुड़ी पूरी राशि वापस की जाएगी। भले ही ग्राहक ने लेनदेन की रिपोर्ट की हो या नहीं।''

आरबीआई ने कहा कि तीसरे पक्ष की सेंधमारी के मामलों में, अगर ग्राहक अनधिकृत धोखाधड़ी वाले ईबीटी की रिपोर्ट घटना के पांच दिन के भीतर बैंक को करता है, तो उस पर कोई जवाबदेही नहीं होगी और पूरी राशि पाने का हकदार होगा।

पांच दिन के बाद बैंक को रिपोर्ट किए गए तीसरे पक्ष की सेंधमरी के मामलों में, ग्राहक की जवाबदेही बैंक की नीति के अनुसार तय की जाएगी।

# आरबीआई 'देखो और इंतजार करो' की स्थिति में, रेपो दर बढ़ाने पर चर्चा अभी जल्दबाजी : मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि केंद्रीय बैंक पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर रख रहा है और इस समय नीतिगत ब्याज दर में वृद्धि के बारे में बातचीत करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने समाचार चैनल 'ईटी नाउ' से कहा, ''अगर हम सही में उन्हें (बाजार) नीतिगत दर बढ़ाने के लिए तैयार करना चाहते, तो हमें अपना रुख बदलना होगा...। अगर यह पक्का होता कि हम आने वाले महीनों में दर बढ़ाने वाले हैं, तो हम अपना 'तटस्थ' रुख को बदलकर 'सख्त' कर लेते? लेकिन हमने ऐसा नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, मुझे लगता है कि नीतिगत दर बढ़ाने के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी। हमने बस इतना कहा है कि हम सतर्क हैं। हमें पता है कि महंगाई और वृद्धि, दोनों के मामले में जोखिम हो सकते हैं। खासकर महंगाई पर, क्योंकि यह ऊपरी सीमा के करीब पहुंच रही है...। हम सतर्क हैं और आंकड़ों पर नजर रखेंगे।''

उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में, आरबीआई ने पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी संघर्ष, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण वृद्धि और महंगाई पर बढ़ते जोखिमों के बीच अपनी नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। मौद्रिक नीति समिति ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने और 'तटस्थ' रुख को कायम रखने का निर्णय किया।

केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को कम किया है और 2026-27 में वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो अप्रैल के 6.9 प्रतिशत के अनुमान से कम है। यह अनुमान 2025-26 के लिए अनुमानित 7.6 प्रतिशत से भी कम है। आरबीआई ने 2026-27 के लिए महंगाई बढ़कर 5.1 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया है जो पहले के 4.6 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। मल्होत्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव में कमी पूरी दुनिया और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक बात है। यह वृद्धि और महंगाई, दोनों के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें कम हुई हैं और यूरिया की कीमतें भी काफी घटी हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को राहत मिली है।

मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और सरकार और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने मिलकर ऊर्जा के दाम में तेजी के असर को काफी हद तक कम किया। सभी महत्वपूर्ण आंकड़ें (जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, ई-वे बिल, पीएमआई आदि) यह दिखाते हैं कि भारत ने बहुत अनिश्चित समय में भी इस झटके का अच्छी तरह से सामना किया है।

## विदेश यात्रा पर जाना मौलिक अधिकार : दिल्ली की अदालत

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली की एक अदालत ने धनशोधन की आरोपी एक महिला को बच्चों के साथ गर्मियों की छुट्टियों में थाईलैंड की यात्रा पर जाने की अनुमति देते हुए टिप्पणी की कि विदेश यात्रा करना मौलिक अधिकारों का एक अहम हिस्सा है। अवकाशकालीन अदालत के न्यायाधीश राजेश मलिक ने रीना गोयल नामक महिला की अर्जी पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। करोड़ों रुपये की बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में गोयल आरोपी हैं। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 'श्री राज महल ज्वैलर्स' समूह से जुड़ी कंपनी के दिल्ली के करोल बाग बाजार स्थित दुकानों को कुर्क किया है।

प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, ये संपत्तियां गिन्नी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक-सह-प्रवर्तक गिन्नी देवी और रीना गोयल की थीं। गोयल को दिसंबर 2025 में सशर्त जमानत मिली थी, जिसमें अदालत की बिना अनुमति विदेश जाने पर रोक थी, लेकिन वह 25 जून से दो जुलाई तक बच्चों की गर्मियों की छुट्टियों के लिए थाईलैंड जाना चाहती थीं। अदालत ने 19 जुलाई को पारित आदेश में कहा कि उसे आरोपी के विदेश यात्रा करने के अधिकार और ऐसी अनुमति न देने के आधारों के बीच संतुलन बनाना होगा। फैसले में कहा गया, ''इनकार करने का मुख्य व सबसे ठोस आधार यह विश्वसनीय आशंका हो सकती है कि वह कानून के शिकंजे से बचकर भाग जाएगी। ऐसी आशंका या तो सबूतों से दिखाई जा सकती है या फिर अन्य तथ्यों से निष्कर्ष निकालकर इसका पता लगाया जा सकता है।'' हालांकि, इसमें कहा है कि ईडी ने ऐसा कोई सबूत या तथ्य पेश नहीं किया है, जिससे यह पता चले कि वह कानून से बचकर भाग सकती है। न्यायाधीश ने कहा कि ऐसा नहीं है कि याचिकाकर्ता विदेश में बसने के लिए दूसरे देशों में निवेश कर रही है। सिर्फ़ आरोपी होने के आधार पर उन्हें विदेश यात्रा करने से नहीं रोका जा सकता।

## अदाणी समूह का 2035 तक 10 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य

**नई दिल्ली/भाषा।** अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बुधवार को कहा कि समूह ने 2035 तक 10 गीगावाट (जीडब्ल्यू) परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित करने की योजना बनाई है। इसके साथ ही समूह ने तापीय, नवीकरणीय, जल, गैस और पारेषण परिसंपत्तियों के साथ एकीकृत ऊर्जा मंच का विस्तार करते हुए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी प्रवेश किया है। समूह की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए अदाणी ने कहा कि परमाणु परियोजना 'अदाणी एटॉमिक एनर्जी' के लिए भूमि की पहचान कर ली गई है। यह पहल बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और बिजली की मांग के बीच भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''अदाणी एटॉमिक एनर्जी के माध्यम से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में हमारा प्रवेश भारत के दीर्घकालिक ऊर्जा भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 2035 तक 10 गीगावाट क्षमता के लक्ष्य के साथ हम स्वच्छ और चौबीसों घंटे उपलब्ध बिजली की बढ़ती राष्ट्रीय मांग को पूरा करने के लिए अग्रिम तैयारी कर रहे हैं।''

# 'भीम पेमेंट्स ऐप के जरिये लेनदेन की मात्रा एक साल में तीन गुना हुई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** ऑनलाइन भुगतान मंच भीम पेमेंट्स ऐप के जरिये लेनदेन की मात्रा जून 2025 से मई 2026 के बीच तीन गुना से अधिक हो गई। एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड ने यह जानकारी दी।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित इस ऑनलाइन भुगतान मंच पर मासिक लेनदेन जून 2025 के 7.96 करोड़ से बढ़कर मई 2026 में 24.4 करोड़ हो गया।

विज्ञप्ति में कहा गया कि मई 2026 में इस मंच पर कुल 26,952 करोड़ रुपये के लेनदेन हुए।

तेलंगाना में भी वृद्धि राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप तीन गुना रही।

राज्य में मई में इस मंच पर व्यावसायिक लेनदेन में किराना की हिस्सेदारी 23.9 प्रतिशत रही। इसके बाद भोजनालयों की हिस्सेदारी 18.1 प्रतिशत और त्वरित वाणिज्य (क्विक कॉमर्स) की 11.6 प्रतिशत रही।

एनबीएसएल की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ललिता नटराज ने कहा कि तेलंगाना में भीम पेमेंट्स ऐप की मजबूत वृद्धि रोजमर्रा में डिजिटल भुगतान के बढ़ते एकीकरण को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''सबसे उत्साहजनक बात यह है कि यह वृद्धि किराना, भोजनालयों और त्वरित वाणिज्य जैसी श्रेणियों में होने वाले लेनदेन से संचालित हो रही है। यह दर्शाता है कि रोजमर्रा के खर्चों के लिए डिजिटल भुगतान का तेजी से इस्तेमाल बढ़ रहा है।''

# पुणे की बहुराष्ट्रीय कंपनी में 'यौन उत्पीड़न' की जांच के आदेश : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि पुणे ज़िले में स्थित स्पेन की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कथित यौन उत्पीड़न के मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। वह विधान परिषद में सवालों का जवाब दे रहे थे।

शिवसेना की सदस्य मनीषा कायंदे ने कहा कि कंपनी की महिला कर्मचारी को यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने के तुरंत बाद नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने स्पेन की कंपनी के ख़िलाफ़ कार्रवाई की मांग की। फडणवीस ने कहा कि एक वरिष्ठ अधिकारी 15 दिन के भीतर इस मामले की जांच करेगा और दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति तथा कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला के साथ किसी भी स्थिति में कोई अन्याय नहीं होगा। कायंदे ने यह भी आरोप लगाया कि सोलापुर के सरकारी आईटीआई में उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन की शिकायतें हैं। फडणवीस ने कहा कि तुरंत जांच के आदेश दिए जाएंगे और कार्रवाई की जाएगी। भाजपा की चित्रा वाघ ने आईटी कंपनी टीसीएस की नासिक इकाई में कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण का मुद्दा उठाया, जिसकी जांच पहले से ही एसआईटी कर रही है।

## मान वीडियो विवाद मामले में फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट तैयार कराने की साजिश रची गयी : भाजपा

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी (आप) पर आरोप लगाया कि उन्होंने एक विवादित वीडियो मामले में अकाल तख्त के निष्कर्षों को गलत साबित करने के लिए एक फर्जी फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार कराने की साजिश रची।

भाजपा ने मान और इस मामले में कथित रूप से शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की।

दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पंजाब पुलिस के अधिकारियों और एक निजी फॉरेंसिक प्रयोगशाला से जुड़े लोगों ने वीडियो को फर्जी घोषित किये जाने के वास्ते एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए साठगांठ की ताकि अकाल तख्त के प्राधिकार को कमजोर किया जा सके। हरियाणा पुलिस ने एक व्यक्ति की शिकायत पर मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज करके दो लोगों को गिरफ्तार किया था। शिकायत में व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री से संबंधित विवाद से जुड़े वायरल वीडियो की फर्जी फोरेंसिक रिपोर्ट की व्यवस्था कराने के लिए उससे संपर्क किया गया था।

# पार्टी निर्देशों का पालन नहीं करने पर नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी कि यदि एसआईआर अभियान के क्रियान्वयन के दौरान कोई नेता पार्टी के निर्देशों का पालन नहीं करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पार्टी नेताओं के साथ आयोजित ज़ूम बैठक में भाग लेते हुए मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों को चुनावी प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। यह निर्देश मतदाता सूची से वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जाने की संभावित शिकायतों को देखते हुए दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा, एसआईआर का मुद्दा बेहद गंभीर है। कुछ नेता एसआईआर को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब पार्टी को नुकसान हो रहा हो, तब वह मूकदर्शक बनकर नहीं बैठे रहेंगे। उन्हें एसआईआर जागरूकता बैठकों को लेकर जिला-वार रिपोर्ट पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नेताओं को एसआईआर को लेकर अधिक से अधिक जागरूकता बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए और इन बैठकों को सफल बनाने के लिए प्रभारी मंत्रियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपीं।

## विदेशी लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड पेश करने में नाकाम रहा राजेश एक्सपोर्ट्स : ईडी

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को आरोप लगाया कि स्वर्ण शोधन और आभूषण निर्माण कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के प्रमुख कारोबारी संकेतकों में सामान्य व्यावसायिक प्रथाओं से ''महत्वपूर्ण'' विचलन पाया गया है। ईडी ने कहा कि इसके साथ ही विदेशी लेनदेन से संबंधित अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए गए।

केंद्रीय एजेंसी ने 23 जून को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन के मामले में बेंगलुरु की कंपनी और उससे जुड़े व्यक्तियों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद यह बयान जारी किया। ईडी ने कहा कि उसने राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (आरईएल) के खिलाफ कम से कम पांच मुद्दों की पहचान की है और छापेमारी के दौरान ''अभियोजन का समर्थन करने वाले दस्तावेज'' तथा डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं।

कंपनी ने ईडी की कार्रवाई को लेकर 'पीटीआई-भाषा' के सवालों का अभी तक जवाब नहीं दिया है। शेयर बाजारों ने भी कंपनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। कंपनी के संस्थापक एवं अध्यक्ष राजेश मेहता ने हाल ही में 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में धन की हेराफेरी या किसी भी प्रकार की अनियमितता से इनकार किया था।

# केंद्रीय मंत्री बिट्टू अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष पेश हुए, 'जातिसूचक' टिप्पणी के लिए माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चंडीगढ़/भाषा।** केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू बुधवार को पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष पेश हुए और मई में पुलिस अधिकारियों के साथ हुई तीखी बहस के दौरान की गई अपनी कथित जातिसूचक टिप्पणियों के लिए माफीनामा सौंपा। बिट्टू ने पूर्व में, अपनी ''जातिसूचक'' टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी।

आयोग ने मंत्री से कहा था कि वह मामले में अपना पक्ष रखने के लिए उसके समक्ष पेश हों। बिट्टू इससे पहले दो बार आयोग के समक्ष पेश नहीं हो सके थे। बुधवार को आयोग के समक्ष पेश होने के दौरान, बिट्टू ने 26 मई को धुरी में हुई घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि एक मंत्री होने के नाते उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। उन्होंने आयोग को बताया कि अपनी टिप्पणी के लिए वह पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुके हैं।

बिट्टू ने कहा कि वह अनुसूचित जाति समुदाय का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और गैर इरादतन कहे गए शब्दों को लेकर गहरा खेद व्यक्त करते हैं। आयोग को सौंपे गए अपने माफीनामे में मंत्री ने स्वीकार किया कि उन्होंने जिन शब्दों का उपयोग किया, कानूनन वे गलत थे। सुनवाई के दौरान, बिट्टू ने अनुसूचित जाति समुदाय के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहल का भी जिक्र किया और बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के दौरान सरकार ने डॉ भीम राव आंबेडकर से जुड़ी पांच अहम जगहों को तीर्थ स्थल का दर्जा दिया। कार्यवाही के दौरान, आयोग के अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी ने बिट्टू से कहा कि उन्हें मंत्री की टिप्पणी के संबंध में लोगों के कई फोन आए थे। माफीनामा स्वीकार करते हुए, आयोग ने केंद्रीय मंत्री को चार धार्मिक स्थलों - फिल्लौर में डेरा बाबा ब्रह्मदास, जालंधर में गुरु रविदास महाराज से जुड़े डेरा सचखंड बल्लान, भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल और अमृतसर में श्री दरबार साहिब में मत्था टेकने का आदेश दिया। आयोग ने उन सोशल मीडिया का संज्ञान लिया था जिनमें आरोप लगाया गया था कि बिट्टू ने धुरी के दौरे पर ''जातिसूचक'' शब्दों का इस्तेमाल किया था।

धुरी में 26 मई को बिट्टू की कुछ पुलिस अधिकारियों के साथ तीखी बहस हुई थी। वह भाजपा नेता ओंकार सिंह की रिहाई की मांग कर रहे थे, जिन्हें पुलिस ने नगर निकाय चुनावों के दौरान हिरासत में लिया था। प्रचार अभियान समाप्त होने के बाद, कथित तौर पर प्रचार करने को लेकर सिंह को हिरासत में लिया गया था।

मंत्री पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था।

## प्रेमी पर खौलता तेल डालकर हत्या करने के आरोप में महिला गिरफ्तार

**लातूर (महाराष्ट्र)/भाषा।** महाराष्ट्र के लातूर जिले में संपत्ति विवाद को लेकर अपने प्रेमी पर खौलता तेल डालकर उसकी हत्या करने के आरोप में बुधवार को 45 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) गजानन भातलवंडे ने बताया कि उदगीर तहसील के नवांडी गांव के निवासी उद्धव मारुति दहीकांबले (24) की घटना के दस दिन बाद 22 जून को यहां सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, यह घटना 12 जून की दोपहर उदगीर में उद्धव के किराए के मकान में हुई थी। पति से अलग रह रही विवाहित महिला वंदना मदाले ने कथित तौर पर उस पर खौलता तेल डाल दिया था।

## मुजफ्फरनगर में मजदूरों के साथ अमानवीय व्यवहार धराशायी अर्थव्यवस्था का परिचायक: राहुल

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में कई मजदूरों को बंधक बनाकर उनके साथ अमानवीय व्यवहार किए जाने की निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि यह कोई आम आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि एक ''धराशायी हुई अर्थव्यवस्था का मलबा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ितों को न्याय के साथ पुनर्वास और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

मुजफ्फरनगर जिले में प्रशासन और पुलिस की छापेमारी के बाद कागज की प्लेट बनाने वाली एक फैक्टरी से नाबालिगों समेत 12 बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराया गया। इनके साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार किया जाता था। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मुज़फ्फरनगर में मजदूरों की बंधुआ मजदूरी का मामला बेहद चौंकाने वाला है। बिना मज़दूरी दिए काम करवाने के अलावा, मजदूरों को कुत्तों से कटवाया गया, भाले से गोदा गया, कोड़े मारे गए, और उन्हें मवेशियों का चारा खिलाया गया। यह मानवीय गरिमा पर हमला है, पीड़ितों को न्याय के साथ पुनर्वास (किया जाना चाहिए) और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''साथ ही हमें यह भी पूछना ज़रूरी है कि मज़दूर ऐसी खतरनाक परिस्थितियों में किन मजबूरियों में फंस जाते हैं। जब रोज़गार ख़त्म हो जाते हैं, आमदनी ठहर जाती है, और सबसे कमज़ोर वर्गों के लिए बने मनरेगा और श्रम कानूनों जैसी सुरक्षाएं कमज़ोर कर दी जाती हैं, तो हताशा बढ़ती जाती है।''

# पाकिस्तानी आतंकी संगठन के साथ संबंध रखने के संदेह में कर्नाटक में एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। पाकिस्तान के एक आतंकवादी संगठन से संबंध रखने के संदेह में एक व्यक्ति को कर्नाटक के दावणगेरे जिले में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुहेल (20) हाल में अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश से दावणगेरे के हरिहर तालुक आया था, जहां वह पेंटर का काम कर रहा था। उसने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से प्राप्त जानकारी के आधार पर मंगलवार को खुफिया अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान में सुहेल को पकड़ा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हमने आरोपी को पकड़ लिया और उसे संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दिया।'' पुलिस के अनुसार सुहेल के व्हाटसऐप अकाउंट पर आतंकवाद से संबंधित संदिग्ध सामग्री मिली और वह पाकिस्तान में मौजूद कई लोगों के कथित तौर पर संपर्क में था। गिरफ्तारी के बारे में जानकारी साझा करते हुए दावणगेरे के पुलिस अधीक्षक शेखर एच. टेक्कनवार ने कहा कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर संदिग्ध को मंगलवार को हिरासत में लिया गया।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''कल, हमारे पुलिस उपनिरीक्षक ने प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की। लगभग 15 दिन पहले, संदिग्ध हरिहर ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित एक निजी कारखाने में पेंटर के रूप में काम करने आया था और पास के एक गांव में रह रहा था।'' पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उसके संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए उससे पूछताछ की गई और जांच के दौरान यह सामने आया कि वह अपने मोबाइल फोन पर व्हाटसऐप समूहों और सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी मूल के व्यक्तियों के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि हरिहर ग्रामीण पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। टेक्कनवार ने कहा, हम लगभग 20 वर्षीय इस संदिग्ध के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ये व्यक्ति कुछ चरमपंथी गतिविधियों को लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से एक-दूसरे के संपर्क में आए और ऑनलाइन संपर्क बनाए रखा। उन्होंने कहा, वर्तमान में हम हिरासत में लिए गए संदिग्ध की जांच-पड़ताल कर रहे हैं। आने वाले दिनों में हम सत्यापन प्रक्रिया पूरी करेंगे, सभी संबंधित साक्ष्य एकत्र करेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। अधिकारी ने कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संदिग्ध लगभग 10 लोगों के एक समूह के साथ यहां आया था। टेक्कनवार ने कहा, ''हम अन्य लोगों की पृष्ठभूमि की भी जांच कर रहे हैं। जांच के बाद हम यह सत्यापित करेंगे कि क्या इसमें किसी विशेष समूह की संलिप्तता है और अन्य विवरण क्या हैं। ये तथ्य केवल जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होंगे।'' इस गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले ही चार जून को तुमकुरु और दावणगेरे जिलों से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। दोनों पर आरोप है कि वे सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में रहने वाले एक व्यक्ति के संपर्क में थे और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ गतिविधियों की साजिश रच रहे थे। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा कि उत्तर प्रदेश के रहने वाले जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, वह कुछ पाकिस्तानियों के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच पूरी होने के बाद ही और जानकारी सामने आएगी।

उन्होंने बेंगलूरु में पत्रकारों से कहा, ''प्रारंभिक जांच और उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश का वह व्यक्ति काम की तलाश में यहां आया था। उसके मोबाइल फोन से कुछ जानकारी मिली है। इसलिए उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।'' खरगे ने कहा, ''व्हाटसऐप पर बातचीत से पता चला है कि वह कुछ पाकिस्तानियों के संपर्क में था। लेकिन क्या बड़े पैमाने पर कट्टरपंथ की ओर आकर्षित किया गया या कुछ और हुआ, यह जांच पूरी होने के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल वह हिरासत में है।''

**ज्ञापन**

सांसद बी.वाई. राघवेंद्र के नेतृत्व में शिवमोग्गा के जनप्रतिनिधियों और वकीलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को विधान सौधा में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

# भाजपा नेता अशोक ने कर्नाटक की गारंटी योजनाओं में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने बुधवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार की गारंटी योजनाएं ईमानदार करदाताओं की मेहनत की कमाई की सुनियोजित ''लूट'' के समान हैं और इनका इस्तेमाल कांग्रेस पार्टी आलाकमान को वित्तीय लाभ देने के लिए किया जा रहा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता अशोक ने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से कर्नाटक में उनके तथाकथित 'गारंटी मॉडल' पर बारीकी से गौर करने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की प्रमुख योजना गरीब महिलाओं को सशक्त बनाने में विफल रही है और इसके बजाय संस्थागत भ्रष्टाचार'' का जरिया बन गई है। अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सच अब सबके सामने आ चुका है। आपकी मुख्य गारंटी योजना गरीब महिलाओं को सशक्त नहीं बना रही है, बल्कि यह संस्थागत भ्रष्टाचार का एक व्यवस्थित जरिया बन गई है। यह जन-कल्याण नहीं है, यह कांग्रेस पार्टी के आलाकमान को वित्तीय लाभ देने के लिए ईमानदार करदाताओं की मेहनत की कमाई की संगठित लूट है।''

विपक्ष के नेता ने ''भारी वित्तीय गड़बड़ी'' का आरोप लगाते हुए कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के विश्लेषण से पता चला है कि 19,020 लाभार्थी साझा बैंक खाता नंबरों से जुड़े थे, जिनके जरिए 3.03 लाख से ज्यादा भुगतान में 60.69 करोड़ रुपये बांटे गए। भाजपा नेता ने पूछा, ''ये बैंक खाते किसके हैं? जनता का यह पैसा कौन हड़प रहा है?'' उन्होंने आरोप लगाया कि 23,262 भुगतान के जरिए 46.52 करोड़ रुपये और बांटे गए, जिनमें डेटाबेस से बैंक खाता नंबर पूरी तरह गायब थे। इस पर सवाल उठाते हुए अशोक ने पूछा, ''पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार क्या छिपा रहे हैं? अगर कोई धोखाधड़ी नहीं है, तो आप पारदर्शी ऑडिट से क्यों डर रहे हैं?''

**चर्चा**

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव अभिषेक दत्त ने बुधवार को बेंगलूरु स्थित केपीसीसी कार्यालय में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई।

# ईडी, आईटी और सीबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक मकसद के लिए किया जा रहा है : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**प्रियंक खरगे पिछले एक महीने से आरएसएस को निशाना बना रहे हैं और संगठन से उसके पंजीकरण और आर्थिक लेन-देन के बारे में जानकारी देने के लिए कह रहे हैं। आरएसएस प्रमुख का जिक्र करते हुए प्रियंक ने कहा, मुझे नहीं पता। कहा जा रहा है कि मोहन भागवत बेंगलूरु आ रहे हैं।**

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का इस्तेमाल ''राजनीतिक मकसद'' के लिए कर रही है। प्रियंक ने कर्नाटक में अधिकारियों के यहां छापेमारी की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने दावा किया कि 12 वर्षों में हजारों बार तलाशी लेने के बावजूद, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की दर बहुत कम रही, यह एक ऐसा आंकड़ा है जिसने राजनीतिक मंशा के शक को और गहरा कर दिया।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''पिछले 12 वर्षों में पूरे भारत में हजारों बार तलाशी ली गई है। दोषी ठहराए जाने की दर दो प्रतिशत से भी कम है। इससे क्या पता चलता है? क्या आप अब भी कह सकते हैं कि ये कार्रवाई राजनीतिक कारणों से प्रेरित नहीं हैं?'' प्रियंक ने आरोप लगाया कि आयकर विभाग, ईडी और सीबीआई केंद्र सरकार के ''हथियार'' बन गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा बार-बार यह कहना कि केंद्रीय एजेंसियां कांग्रेस नेताओं को निशाना बना सकती हैं, इस धारणा को और मजबूत करता है कि ऐसी जांच राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। जब पूछा गया कि क्या उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है, तो मंत्री ने कहा कि यह ''बिल्कुल संभव'' है। उन्होंने कहा, अगर ऐसा होना है, तो कभी न कभी तो होगा ही।

क्या भाजपा नेताओं ने धमकियां नहीं दी हैं? भाजपा के मौजूदा सांसद और विधायक ऐसा कह रहे हैं, वे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं और हमें फोन करके भी ऐसा कह रहे हैं। इसमें नया क्या है?'' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित बेंगलूरु दौरे के बारे में पूछे गए एक सवाल पर मंत्री ने कहा कि वह शायद दस्तावेज जमा करने के लिए शहर का दौरा करेंगे। प्रियंक खरगे पिछले एक महीने से आरएसएस को निशाना बना रहे हैं और संगठन से उसके पंजीकरण और आर्थिक लेन-देन के बारे में जानकारी देने के लिए कह रहे हैं। आरएसएस प्रमुख का जिक्र करते हुए प्रियंक ने कहा, ''मुझे नहीं पता। कहा जा रहा है कि मोहन भागवत बेंगलूरु आ रहे हैं। मुझे नहीं पता कि वह अपने साथ संबंधित दस्तावेज ला रहे हैं या नहीं।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह आरएसएस के खिलाफ कानूनी लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं, तो मंत्री ने कहा कि वह बस अपने उठाए गए सवालों के जवाब मांग रहे हैं।

# पुडुचेरी में महिला गिरफ्तार, बेंगलूरु में माता-पिता और बहन की हत्या का आरोप

बेंगलूरु। बेंगलूरु के एक अपार्टमेंट में अपने माता-पिता और छोटी बहन की कथित तौर पर हत्या करने के बाद फरार 25 वर्षीय महिला को पुडुचेरी से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला श्वेता ने अपने प्रेमी केनेथ के साथ मिलकर कथित तौर पर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि केनेथ अभी फरार है। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना सोमवार रात के. आर. पुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत सीगेहल्ली स्थित एक अपार्टमेंट में हुई, जहां 52 वर्षीय सोमसुंदर, उनकी 48 वर्षीय पत्नी मुथुलक्ष्मी और उनकी 19 वर्षीय छोटी बेटी सुप्रिया मृत पाए गए। तीनों की चाकू से गोदकर हत्या की गई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''मामले में आरोपियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

और हमने महिला को पुडुचेरी स \` हिरासत में ले लिया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है और मामले की जांच जारी है।'' उन्होंने बताया कि फरार केनेथ को पकड़ने के लिए भी प्रयास जारी हैं। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए अधिकारी ने बताया कि श्वेता पिछले दो महीनों से कथित तौर पर अपने प्रेमी केनेथ के साथ रह रही थी। जांचकर्ताओं को संदेह है कि श्वेता के माता-पिता इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे, जिसके कारण परिवार के भीतर तनाव की स्थिति होगी। पुलिस के अनुसार, सोमवार शाम पीड़ित परिवार उस फ्लैट पर गया था, जहां श्वेता और केनेथ रह रहे थे। जांचकर्ताओं को आशंका है कि इस दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद तीनों पर कथित तौर पर कई बार चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

# तकनीकी खराबी ठीक होने के बाद पर्पल लाइन पर मेट्रो सेवाएं फिर बहाल

बेंगलूरु। बीएमआरसीएल ने बुधवार को बताया कि यहां कब्बन पार्क मेट्रो स्टेशन पर सामने आई तकनीकी समस्या को सफलतापूर्वक ठीक कर लिया गया है और पर्पल लाइन पर सामान्य सेवाएं फिर से शुरू कर दी गई हैं। कब्बन पार्क मेट्रो स्टेशन पर एक ट्रेन में तकनीकी खराबी आने के कारण मंगलवार शाम व्यस्त समय के दौरान पर्पल लाइन की मेट्रो सेवाएं प्रभावित हो गई थीं। इस बाधा के कारण पर्पल लाइन के कई मेट्रो स्टेशनों, जिनमें कब्बन पार्क और एमजी रोड शामिल हैं, पर भारी भीड़ देखी गई। दफ्तर से घर लौट रहे यात्री बीच रास्ते में फंस गए और उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए ऑटो और ऐप-आधारित कैब जैसे वैकल्पिक परिवहन साधनों का सहारा लेना पड़ा। नम्मा मेट्रो की पर्पल लाइन पूर्व में व्हाइटफील्ड (काडुगोडी) से लेकर दक्षिण-पश्चिम में चल्लघट्टा तक चलती है। बेंगलूरु मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी कि कुब्बन पार्क मेट्रो स्टेशन पर सामने आई तकनीकी समस्या को उनकी विशेष संचालन एवं रखरखाव टीम द्वारा सफलतापूर्वक ठीक कर लिया गया है। बुधवार को सुबह पांच बजे से पर्पल लाइन पर नियमित समय-सारणी के अनुसार सामान्य मेट्रो सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। बीएमआरसीएल ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे सेवाओं के बहाल होने का संज्ञान लें और नम्मा मेट्रो की सुरक्षित, विश्वसनीय तथा कुशल सेवाओं का उपयोग जारी रखें।

**मुलाकात**

बेंगलूरु में बुधवार को स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया की मुख्य प्रबंधक मैनेजर जूही सिन्हा ने विधान सौधा में मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाक़ात की।

# कांग्रेस ने भाजपा सांसद रमेश जिगजिनागी के वायरल वीडियो की जांच की मांग की

बेंगलूरु। बेंगलूरु पश्चिम जिला कांग्रेस कमेटी ने हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन को पत्र लिखकर भाजपा सांसद रमेश जिगजिनागी की एक कथित ऑडियो क्लिप की जांच की मांग की है। इसके साथ ही वीडियो में आवाज की पुष्टि होने पर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। कांग्रेस ने पत्र में लिखा है कि कर्नाटक राज्य में सोशल मीडिया तथा विभिन्न डिजिटल माध्यमों पर एक ऑडियो क्लिप व्यापक रूप से वायरल हो रही है, जिसे भाजपा सांसद रमेश जिगजिनगी की आवाज बताया जा रहा है। वायरल ऑडियो में बोलने वाला व्यक्ति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबंधित कथित अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करता हुआ और संगठन पर प्रश्न उठाने वालों के विरुद्ध गंभीर परिणाम हो सकते हैं, ऐसा अर्थ निकलने वाले बयान देता हुआ सुनाई पड़ता है। इस ऑडियो को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा हो रही है, जिससे आम जनता में भ्रम और चिंता की स्थिति उत्पन्न हुई है। कांग्रेस ने कहा कि हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह ऑडियो वास्तव में रमेश जिगजिनगी की ही आवाज है या फिर इसे कृत्रिम रूप से तैयार किया गया है, संपादित किया गया है अथवा उसमें छेड़छाड़ की गई है।

**समीक्षा**

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलूरु के विधान सौधा में वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की और राज्य के वित्तीय मामलों की समीक्षा की।


**दक्षिण पश्चिम रेलवे**

ई-निविदा सूचना सं. 298-H-M-DSLOHLAuxMtrs
दिनांक: 16.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

| विवरण संक्षेप में | अनुमानित लागत |
|---|---|
| हुबली, डीजल लोको शेड पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए थ्री फेस इलेक्ट्रिक लोकोमोटीव (डब्ल्यूएजी9एचसी/ डब्ल्यूएपी7) अतिरिक्त मोटरों का ओवरहॉलिंग कार्य। | रु. 1,93,75,483.88 |

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
08.07.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ मंडल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
टीआरएस/हुबली

PUB/236/AAF/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways


# भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और उनके पुत्र पर जमीन हड़पने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके पुत्र प्रियंक खरगे ने ''सत्ता और प्रभाव'' का दुरुपयोग करके कर्नाटक के विभिन्न स्थानों पर जमीनों पर कब्जा किया है। भाजपा ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि खरगे और कर्नाटक सरकार में मंत्री उनके पुत्र अपने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिये कांग्रेस शासित राज्य में ''भूमि लूट'' में शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''उनकी कार्यप्रणाली रॉबर्ट वाद्रा और राहुल गांधी के परिवार से प्रेरित है।'' भाजपा के आरोप पर कांग्रेस या खरगे की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। खरगे और उनके पुत्र पर भाजपा का यह आरोप तब सामने आया है जब एक दिन पहले कांग्रेस ने सवाल उठाया था कि केंद्रीय जांच एजेंसियां मध्य प्रदेश में कथित भूमि घोटाले में शामिल लोगों की जांच क्यों नहीं कर रही हैं। कांग्रेस ने उन खबरों का हवाला देते हुए यह सवाल उठाया था जिनमें मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार के सदस्यों की संलिप्तता का दावा किया गया था। भाजपा ने यादव के खिलाफ लगाए गए आरोपों को ''बेबुनियाद'' बताया था।

भंडारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु में सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए 100 करोड़ रुपये मूल्य की पांच एकड़ जमीन आवंटित की, जबकि उस ट्रस्ट के पास इस तरह के कार्य का कोई पूर्व अनुभव नहीं था। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 2016 में गुलबर्गा जिले में सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को 30 वर्ष की अवधि के लिए 19 एकड़ जमीन दी थी, जिसे बाद में स्थायी पट्टे में बदलकर खरगे के परिवार की स्थायी संपत्ति बना दिया गया। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष और उनके पुत्र पर भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया। भंडारी ने कहा, ''मल्लिकार्जुन खरगे और कर्नाटक सरकार में मंत्री उनके पुत्र प्रियंक खरगे ने सत्ता और प्रभाव का उपयोग करके राज्य में विभिन्न स्थानों पर जमीनों पर कब्जा किया है और कई जगहों पर भूमि लूट करने का प्रयास किया है।'' भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, ''यह भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन है। यह कानून के तहत एक संज्ञेय अपराध है।''

उन्होंने पूछा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री शिवकुमार इस मामले में खरगे और उनके पुत्र के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते। भंडारी ने कहा कि 2018 की कैग रिपोर्ट में इस मुद्दे को उठाया गया था, जिसमें बताया गया था कि भूमि के हस्तांतरण से सरकार को नहीं, बल्कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को लाभ हुआ, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट, जिसमें खरगे, उनकी पत्नी और पुत्र सदस्य हैं, ने फर्जी विक्रेता कस्तूरी बाई के माध्यम से गुलबर्गा शहर में 7.18 एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा, ''कस्तूरी बाई कौन हैं, यह कोई नहीं जानता।'' भंडारी ने आरोप लगाया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 2010 में भी खरगे को 8,125 वर्ग मीटर जमीन दी थी, जब सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री थे।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) पर खरगे को यह जमीन देने के लिए दबाव डाला गया और उसकी असहमति के बाद भी अंततः वह जमीन उन्हें दे दी गई। भंडारी ने कहा कि यह मामला पहले से ही कर्नाटक की एक अदालत में लंबित है। उन्होंने कहा, ''हम ठोस सबूत प्रस्तुत कर रहे हैं। यदि मल्लिकार्जुन खरगे स्पष्टीकरण नहीं देते हैं, तो इसे अपराध स्वीकार करने के रूप में माना जायेगा।'' कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने मंगलवार को उन खबरों का हवाला दिया था, जिनमें आरोप लगाया गया था कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार ने उज्जैन में उन क्षेत्रों में कई एकड़ जमीन खरीदी है जहां बुनियादी ढांचा परियोजनाएं आ रही हैं। वेणुगोपाल ने कहा था कि अब ''लोग ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा'' के पीछे की सच्चाई को समझ चुके हैं। उन्होंने कहा था कि यह ''नाटक'' अब बंद होना चाहिए। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के खिलाफ लगाए गए भूमि घोटाले के आरोपों को ''बेबुनियाद'' बताते हुए, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मंगलवार को कहा था कि जब भी राज्य में पिछड़े वर्गों से मुख्यमंत्री रहे हैं, कांग्रेस ने उन्हें कमजोर करने की कोशिश की है। यादव के परिवार पर लगे आरोपों के बारे में पूछे जाने पर भंडारी ने पत्रकारों से कहा, ''मध्य प्रदेश सरकार ने विस्तृत स्पष्टीकरण दिया है। हमें इस मामले में मध्य प्रदेश सरकार के जवाब को आधिकारिक रुख के रूप में स्वीकार करना चाहिए।''


**उत्तर पश्चिम रेलवे**

ई–निविदा सूचना (ईपीसी मोड)

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप. मुख्य बिजली इन्जीनियर (निर्माण II) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के अधीन निम्नलिखित कार्यों के लिये दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:– 1. कार्य का नाम: Tender No. EL-C-EPC-TRD-JP-T01-25-26 उत्तर पश्चिमी रेलवे के जयपुर डिवीजन के जयपुर–सवाई माधोपुर खंड में 2X25 केवी एटी फीडिंग सिस्टम और एससीएडीए के लिए संबद्ध स्विचिंग पोस्टसहित 132/ 2X25 केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफार्मर) का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। 2. कार्य की अनुमानित लागत: Rs.1222037870.00। 3. बयाना राशि जो जमा करनी है: Rs.24440800.00। 4. निविदा प्रपत्र जमा कराने व खुलने की तारीख व समय: 30.10.2026 Upto 15.00 Hrs., 30.10.2026 at 15.30 Hrs. 5. उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वैबसाइट का पता: www.ireps.gov.in । 915-MG/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 631 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण, मेट्रो फेज-2 से बदलेगी शहर की रफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशभर में बिजली-पानी सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की सुगम उपलब्धता एवं नागरिक सेवाओं के विस्तार पर प्राथमिकता से कार्य करते हुए अंतिम छोर के व्यक्ति को राहत प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि जयपुर में परिवहन से लेकर सफाई व्यवस्था को हाईटेक करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय किए गए हैं, जिससे भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जुलाई को जयपुर मेट्रो फेज-2 का शिलान्यास करेंगे। 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत की इस मेट्रो लाइन में प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक के कार्यादेश भी जारी किए जा चुके हैं। यह परियोजना यातायात को अधिक सुगम बनाने, समय की बचत सुनिश्चित करने और राजधानी के समग्र शहरी विकास को नई गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री बुधवार को सांगानेर स्टेडियम में लगभग 631 करोड़ रुपये के 1538 विकास कार्यों के लोकार्पण, शिलान्यास एवं पट्टा वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार व उन्नयन होगा, जिससे क्षेत्र के आमजन को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता की सेवा और कल्याण के लिए पूर्ण रूप से संकल्पित है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 12 वर्षों में ऐसी कई महत्वपूर्ण पहल की है, जिनसे हमारे शहर विकास के इंजन बन रहे हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के माध्यम से शहरों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत 'सभी के लिए आवास' का संकल्प पूरा हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना से जहां लाखों ठेला-रेहड़ी वालों का जीवन संवर रहा है, वहीं अमृत योजना के माध्यम से शहरों में साफ पानी, सीवरेज कनेक्शन और पार्क जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। साथ ही, स्वच्छ भारत मिशन में शौचालय सुविधाओं एवं ठोस कचरा प्रबंधन में भी अभूतपूर्व कार्य हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जयपुर में आधारभूत संरचनाओं को सशक्त कर आमजन के जीवन को बेहतर बना रही है। आज जयपुर-भीलवाड़ा रोड के मुहाना मोड जंक्शन पर 124 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले फ्लाईओवर, बंबाला क्षेत्र में सीवरेज कार्य के लिए 88 करोड़ रुपये से अधिक लागत से एसटीपी, पृथ्वीराज नगर में सैटेलाइट अस्पताल और भांकरोटा में ट्रोमा सेंटर के निर्माण की नींव व सांगानेर के 115 मंदिरों के सौंदर्यकरण एवं जीर्णोद्धार का शुभारंभ भी हुआ है। उन्होंने कहा कि यूनिटी मॉल, रिद्धि-सिद्धि फ्लाईओवर, सांगानेर एलिवेटेड रोड और द्रव्यवती नदी के विकास जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रगतिरत हैं। इस प्रकार राज्य सरकार 'विकास भी, विरासत भी' के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जयपुर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ शहर की सफाई व्यवस्था को हाईटेक बना रही है। प्रदेश में पहली बार जयपुर में कचरा उठाने की 5 अत्याधुनिक मैकेनिकल लिटर पिकर मशीनें लाई गई हैं, जो फुटपाथों, संकरी गलियों और ट्रांसफार्मर के नीचे से भी प्रभावी ढंग से कचरा उठाएंगी।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड का वितरण करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना ड्रोन तकनीक के माध्यम से गांवों की आवासीय भूमि का सीमांकन कर ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का कानूनी स्वामित्व प्रदान करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। अब तक 8 हजार से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण कर लगभग 14 लाख स्वामित्व कार्ड जारी किए जा चुके हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने सीवरेज सफाई के लिए सुपर सकर मशीन तथा स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के प्रति जनजागरूकता के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, सफाई सेवा मैराथन के विजेताओं को चैक वितरित किए। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सांसद मंजू शर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

# दुकान के बाहर शराब पीने से रोकने पर गुस्साए लड़कों ने युवक की कर दी हत्या : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के सांगानेर सदर थानाक्षेत्र में मंगलवार देर रात दुकान के बाहर शराब पीने से टोकने को लेकर कुछ लड़कों ने एक युवक की कथित तौर पर धारदार हथियार और पत्थरों से वार करके हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। सांगानेर सदर थानाधिकारी अनिल जैमन ने बताया कि मृतक की पहचान गोविंदपुरा के शिक्षा सागर कॉलोनी निवासी संजू शर्मा (28) के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को पड़ोस के खेत में शादी का कार्यक्रम चल रहा था। उन्होंने बताया कि रात करीब 11 बजे 6-7 लड़के संजू के भाई की किराने की दुकान के बाहर शराब पी रहे थे। उन्होंने बताया कि लड़कों को शराब पीता देख उसके भाई अभिषेक ने उन्हें टोका, इस पर लड़के वहां से चले गए, लेकिन कुछ देर बाद लड़के वापस आए और संजू के घर पर पत्थरबाजी शुरू कर दी।

थानाधिकारी ने बताया, संजू लड़कों को समझाने के लिए घर से बाहर गया था, तभी लड़कों ने उसे अकेला पाकर उसके साथ झगड़ा शुरू कर दिया और उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि पत्थर और डंडे से ताबड़तोड़ वार करके लड़के फरार हो गए। उन्होंने बताया कि संजू को बचाने गए परिवार के सदस्यों के साथ भी लड़कों ने मारपीट की, जिससे चार लोग घायल हो गए, जिनका प्राथमिक उपचार करवाया गया। अनिल ने बताया कि परिजनों ने संजू को लहूलुहान हालत में सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक के पिता कैलाश शर्मा ने हत्या का मामला दर्ज करवाया है। थानाधिकारी ने बताया कि कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने त्रिपोलिया बालाजी मंदिर में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सांगानेर स्थित प्राचीन त्रिपोलिया बालाजी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने सांगानेर क्षेत्र के संघीजी जैन मंदिर और सांगा बाबा मंदिर सहित कुल 115 धार्मिक स्थलों के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार के लिए 50 करोड़ रुपये की लागत के भव्य विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# पचपदरा रिफाइनरी प्रोजेक्ट राजस्थान का ग्रोथ इंजन मोदी शीघ्र करेंगे शुभारंभ : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर पचपदरा रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों एवं एचआरआरएल प्रबंधन से रिफाइनरी की प्रगति एवं संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शीघ्र ही पचपदरा रिफाइनरी का शुभारंभ करेंगे। इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी से राजस्थान देश की ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बनेगा। साथ ही, यह प्रोजेक्ट प्रदेश का ग्रोथ इंजन साबित होगा।

इस दौरान एचआरआरएल प्रबंधन ने मुख्यमंत्री की माइक्रो मॉनिटरिंग की सराहना की। उन्होंने कहा कि एचआरआरएल एवं राज्य सरकार के अधिकारियों ने टीम भावना से निरंतर कार्य किया है। मुख्यमंत्री के सतत मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के फलस्वरूप कुछ ही समय के अंतराल में रिफाइनरी संचालन के लिए पुनः तैयार हो गई है। आधा दर्जन से अधिक यूनिट्स कार्य कर रही हैं और कई प्रोडक्ट्स का उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री को एचआरआरएल प्रबंधन ने पचपदरा रिफाइनरी से निकल रहे विभिन्न प्रोडक्ट्स के सैम्पल भेंट किए। साथ ही, उन्होंने रिफाइनरी का मॉडल और इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाती हुई बुकलेट भी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया एवं एचआरआरएल प्रबंधन सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

# आरएमएससीएल के प्रबन्ध निदेशक ने किया राजस्थान संपर्क पोर्टल का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड (आरएमएससीएल) के प्रबन्ध निदेशक पुखराज सेन ने बुधवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) के कॉल सेंटर का निरीक्षण कर मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना से संबंधित प्राप्त परिवादों एवं उनके निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए।

इस दौरान सेन ने विशेष रूप से ऐसे प्रकरणों की समीक्षा की जिनमें विभागीय कार्रवाई करने के बावजूद परिवादी समाधान से पूर्णतः संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जनकल्याणकारी योजना है और इससे सम्बंधित प्रत्येक परिवाद का संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दवा उपलब्धता, आपूर्ति एवं वितरण से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए तथा संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों और अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर उनका शीघ्र समाधान किया जाए ताकि आमजन को बेहतर व समय पर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सके। प्रबन्ध निदेशक ने संपर्क पोर्टल के कॉल सेंटर से कोटपुतली-बहरोड़ के विनोद, हनुमानगढ़ के आजाद, जोधपुर के मोहम्मद उस्मान, ब्यावर के आदम, भरतपुर के महेन्द्र सहित विभिन्न जिलों के परिवादियों से बात कर दवा प्राप्ति में आई समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने परिवादियों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों पर प्राथमिकता से कार्यवाही कर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान संपर्क पोर्टल आमजन और सरकार के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए विभिन्न विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कराकर उनके शीघ्र समाधान का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

## शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से बुधवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह ने लोकभवन पहुंचकर मुलाकात की। राज्यपाल बागड़े से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

# अगस्त से शुरू होंगे 5 दिवसीय फील्ड राउंड, किसानों को मिलेगा अनुभव आधारित मार्गदर्शन : अभय कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सहभागिता आधारित सिंचाई प्रबंधन को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में जल संसाधन विभाग तथा राजस्थान वाटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में जयपुर के दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में जल उपयोक्ता संगमों के क्षमता विकास एवं सशक्तीकरण के लिए कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन के साथ एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने की। इस अवसर पर मुख्य अभियंता, गुण नियंत्रण, सतर्कता एवं ईएपी, जल संसाधन विभाग व अन्य विभागीय अधिकारी, परियोजना प्रतिनिधि एवं विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे। अभय कुमार ने कहा कि जल उपयोक्ता संगम ग्रामीण समुदायों से सीधे जुड़े हुए हैं और सिंचाई प्रबंधन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले जल उपयोक्ता संगमों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्रशिक्षित कर कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन के रूप में विकसित किया जाए। इससे उनके अनुभवों का लाभ अन्य संघों तक भी पहुंच सकेगा।

उन्होंने अपने राजीविका अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों महिलाओं का सशक्त नेटवर्क तैयार हुआ, उसी प्रकार प्रदेश के अन्य जल उपयोक्ता संघो को सीआरपी मॉडल के माध्यम से सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। अभय कुमार ने कहा सिंचाई शुल्क संग्रहण, जल प्रबंधन, फसल उत्पादकता वृद्धि एवं कृषि-उद्यानिकी आधारित मूल्य संवर्धन जैसे विषयों पर सीधे संवाद स्थापित कर सकेंगे।

# राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने किया ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन

जयपुर। राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने बुधवार को डीडवाना-कुचामन जिला के नावां उपखंड की ग्राम पंचायत सोलाया में आयोजित 'ग्रामीण सेवा शिविर' का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों के कार्यों का अवलोकन किया और विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। राज्यमंत्री चौधरी ने अधिकारियों को शिविरों में आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित कर अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के निर्देश दिए।

# मंत्री किरोड़ी से जुड़े लोगों पर लगे आरोपों की हो निष्पक्ष जांच : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को राज्य मंत्री किरोड़ी लाल मीणा पर निशाना साधते हुए मांग की कि उनसे जुड़े लोगों के यहां हुई कार्रवाई में मिले धन और कथित भ्रष्टाचार की निष्पक्ष एवं गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने मातृ मृत्यु के मामलों, विभिन्न अस्पतालों में कथित नकली दवाओं के उपयोग तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में हाल में की गई प्रशासनिक कार्रवाइयों के सिलसिले में भी सवाल उठाए। डोटासरा ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि यदि मंत्री से जुड़े लोगों के पास से 2.43 करोड़ रुपये बरामद हुए हैं तो यह गंभीर सवाल खड़ा होता है कि यह राशि मंत्री द्वारा कराई गई छापेमारी के दौरान वसूली गई या फिर छापे नहीं डालने के एवज में ली गई।

उन्होंने कहा, इतनी बड़ी रकम जब्त हुई है तो यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यह धन छापों के नाम पर लिया गया था या छापे नहीं करने के लिए। डोटासरा ने कहा कि स्वयं मंत्री यह स्वीकार कर चुके हैं कि उन्हें सूचना देने वाले लोग इस मामले में शामिल थे, ऐसे में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) या विशेष अभियान समूह (एसओजी) जैसी एजेंसियों से निष्पक्ष जांच कराना मंत्री की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, यदि छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो समयबद्ध जांच के आदेश दिए जाने चाहिए। तभी ईमानदारी के दावों पर विश्वास किया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने यह भी सवाल उठाया कि इतनी बड़ी रकम की बरामदगी के बावजूद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों ने अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि इससे संदेह पैदा होता है और पूरे मामले में पारदर्शिता आवश्यक है।

स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर डोटासरा ने कोटा, बीकानेर और जोधपुर में प्रसव के दौरान या बाद में महिलाओं के बीमार हो जाने, उनकी मौत की घटनाओं का उल्लेख करते हुए सरकार पर लापरवाही और असंवेदनशीलता का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि अस्पतालों में नकली दवाओं और इंजेक्शनों का इस्तेमाल किया जा रहा है तथा सरकार अब तक किसी भी जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं कर सकी है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के उस कथित बयान की भी आलोचना की, जिसमें महिलाओं की प्रसव पीड़ा सहन करने की क्षमता का उल्लेख किया गया था। डोटासरा ने कहा कि 'सी-सेक्शन' (ऑपरेशन से प्रसव) जैसे चिकित्सा संबंधी निर्णय डॉक्टर लेते हैं, मंत्री नहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा कोटा और बीकानेर में विरोध प्रदर्शन किए जाने के बावजूद प्रभावित परिवारों को अब तक कोई मुआवजा नहीं मिला है। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी रहेगी और इस मुद्दे पर बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वह नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के साथ बीकानेर जाकर कार्रवाई की मांग करेंगे। सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों को हटाने की कार्रवाई पर उन्होंने आरोप लगाया कि बिना उचित सत्यापन के पूजा स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है।

हालांकि उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन सभी कार्रवाइयां पारदर्शी और कानून के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदू हों या मुस्लिम, लोग नाराज हैं। यदि सीमा सुरक्षा के लिए कोई योजना है तो उसे सर्वदलीय बैठक में साझा किया जाना चाहिए और सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी किसी भी कार्रवाई से बचना चाहिए जिससे सांप्रदायिक तनाव पैदा हो। डोटासरा ने राजस्थान-हरियाणा जल समझौते को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि राज्य के हितों से समझौता किया जा रहा है। उन्होंने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में देरी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रस्तावित पाइपलाइन, जो राजस्थान के लिए बनाई जा रही है, उससे हरियाणा भी पानी ले सकता है। उन्होंने कहा, यदि ऐसी व्यवस्था को मंजूरी दी गई तो यह राजस्थान के हितों पर गंभीर आघात होगा।

अपने पुत्र और अन्य परिजनों को राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) में चयन दिलाने के लिए फर्जी ओबीसी प्रमाण पत्र हासिल करने के आरोपों पर डोटासरा ने कहा कि सरकार को स्वयं संज्ञान लेकर पूरे मामले की जांच करानी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस इन सभी मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और सरकार से जवाबदेही की मांग करती रहेगी।

# हम्पापुरा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

**पंजीकृत कार्यालय:** आरएमजेड इन्फिनिटी, पाँचवा तल, प्लॉट नं. 15, उद्योग विहार फेस IV, सेक्टर 18, गुरुग्राम - 122015, हरियाणा, भारत
**CIN:** U42202DL2025GOI448719 I **फोन नं.:** 0124-4562000

## सार्वजनिक सूचना

**हम्पापुरा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड**, जिसका पंजीकृत कार्यालय आरएमजेड इन्फिनिटी, पाँचवा तल, प्लॉट नं. 15, उद्योग विहार फेस IV, सेक्टर 18, गुरुग्राम - 122015, हरियाणा, भारत में स्थित है, कर्नाटक सरकार से उसे विद्युत के पारेषण के लिए विद्युत लाइनें बिछाने या विद्युत संयंत्र लगाने के लिए या कार्यों के उचित समन्वय के लिए आवश्यक टेलीफोन संबंधी या टेलीग्राफ संबंधी संचार के उद्देश्य से विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत सभी शक्तियाँ प्रदान करने का आवेदन करना चाहता है, जो टेलीग्राफ प्राधिकरण सरकार द्वारा स्थापित या अनुरक्षित या इस प्रकार स्थापित या अनुरक्षित किए जाने वाले टेलीग्राफ के प्रयोजन से टेलीग्राफ लाइनें बिछाने और खंभों को लगाने के संबंध में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के अंतर्गत रखता है और सर्वेक्षण, निर्माण, संस्थापन, निरीक्षण, उत्थापन और अन्य कार्य आरंभ करेगा जिसके बाद निम्नांकित पारेषण लाइन के लिए प्रवर्तन, परिचालन, रखरखाव और अन्य कार्य किए जाएँगे:

**ट्रांसमिशन स्कीम का नाम:** "हम्पापुरा (मंड्या जिला) में सहायक ट्रांसमिशन लाइन्स (मंड्या जिला) के साथ 400केवी सब-स्टेशन स्थापित करना"

**स्कीम के अंतर्गत शामिल कार्य :**

| क्रम सं. | ट्रांसमिशन स्कीम का कार्य-क्षेत्र |
|---|---|
| 1 | मंड्या तालुका और जिला के हम्पापुरा में मौजूदा 2x500 एमवीए, 400/220/33केवी जीआईएस सब-स्टेशन |
| 2 | 400केवी डीसी क्वाड मूस लाइन जगालुर-काडाकोला से लिलो के साथ 400/220केवी हम्पापुरा सब-स्टेशन तक |
| 3 | लिलो 400केवी डीसी क्वाड मूस लाइन का जगालुर-काडाकोला से प्रस्तावित 765/400केवी CN'हल्ली स्टेशन (आईएसटीएस स्कीम के अंतर्गत)<br>• 400केवी लाइन बेज पर प्रस्तावित 765/400केवी CN'हल्ली स्टेशन : 4 नंबर |
| 4 | 220केवी डीसी लाइन ट्विन जेबरा कंडक्टर के साथ प्रस्तावित हम्पापुरा से 220/66केवी हुगोनाहल्ली सब-स्टेशन तक 2 नंबर 220केवी TB के साथ हुगोनाहल्ली पर<br>• 220केवी लाइन बेज 220/66केवी हुगोनाहल्ली सब-स्टेशन पर: 2 नंबर (हम्पापुरा से 220/66केवी हुगोनाहल्ली तक 220केवी डीसी लाइन को टर्मिनेट करने के लिए) |
| 5 | 220केवी डीसी लाइन ट्विन जेबरा कंडक्टर के साथ प्रस्तावित हम्पापुरा से 220/66केवी तुबिनाकेरे सब -स्टेशन तक 2 नंबर 220केवी TB के साथ तुबिनाकेरे पर<br>• 220केवी लाइन बेज 220/66केवी तुबिनाकेरे सब-स्टेशन पर: 2 नंबर (हम्पापुरा से 220/66केवी तुबिनाकेरे तक 220केवी डीसी लाइन को टर्मिनेट करने के लिए) |
| 6 | 220केवी डीसी लाइन ट्विन जेबरा कंडक्टर के साथ प्रस्तावित हम्पापुरा से प्रस्तावित 220/66केवी मद्दुर सब-स्टेशन तक 2 नंबर 220केवी TB प्रस्तावित मद्दुर पर<br>• 220केवी लाइन बेज प्रस्तावित 220/66केवी मद्दुर सब-स्टेशन पर: 2 नंबर (हम्पापुरा से प्रस्तावित 220/66केवी मद्दुर तक 220केवी डीसी लाइन को टर्मिनेट करने के लिए) |
| 7 | 220केवी डीसी लाइन ट्विन जेबरा कंडक्टर के साथ प्रस्तावित हम्पापुरा से 220/66केवी नागमंगला सब-स्टेशन तक 2 नंबर 220केवी TB के साथ नागमंगला पर<br>• 220केवी लाइन बेज 220/66केवी नागमंगला पर: 2 नंबर (हम्पापुरा से 220/66केवी नागमंगला 220केवी डीसी लाइन तक को टर्मिनेट करने के लिए) |

उपरोक्त ट्रांसमिशन परियोजना को कर्नाटक सरकार के उर्जा विभाग द्वारा अपने पत्र संख्या EN/257/VSC/2025 (I/864243/2025), दिनांकित 05.07.2025 के माध्यम से विद्युत अधिनियम, 2003 के अनुच्छेद 68(1) के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई है.

इस योजना के अंतर्गत आवरित पारेषण लाइनें निम्नांकित गाँवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर से, आसपास से और बीच से होकर गुज़रेगी.

**(i) 400केवी डीसी क्वाड मूस लाइन जगालुर-काडाकोला से लिलो के साथ 400/220केवी हम्पापुरा सब-स्टेशन तक**

| क्रम सं. | गावों के नाम | तहसील | जिला | संघ राज्य/ राज्य क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|
| 1 | काडाकोला, एस.आई. काडाकोला, करडीमारय्यनहुंडी, कंगारनंजय्यनहुंडी, कुडनहल्ली, कूडनहल्ली, बीरेगौडनहुंडी, कोचनहल्ली, बसवल्लीहुंडी, सोमेस्वरपुरा, सोमेश्वरपुरा, सोमेश्वरपुरा, कुंबारहल्ली मठ, कुंब्राहल्ली मठ, कुंबारहल्ली, रायनहुंडी, अय्यरहल्ली, अयरहल्ली, सिद्धरामनहुंडी, मुद्देगौडनहुंडी, कडवेकट्टीहुंडी, कडवेकटे हुंडी, माडेवी कॉलोनी, महादेवी कॉलोनी, लक्ष्मीपुरा, लक्ष्मीपुरा, लक्ष्मीपुरा, होसहल्ली, जे.आई. होसहल्ली, उत्तनहल्ली, उथनहल्ली, किलनपुरा, किलनपुर, किलनपुर, मेगलापुर, मीगलपुर, मुदुकी चिक्कनहुंडी, माधवगेरे, दूदिगेरे, माकनहुंडी, मरीगौडनहुंडी, मरीगौडन हुंडी | मैसूर | मैसूर | कर्नाटक |
| 2 | हेब्या, बिलिकेरे मादप्पा गुडी, हदिनारू, हधिनारू, मल्लराजनहुंडी, मुद्दय्यनहुंडी, आलत्तूरु, अलथूरु, होस्कोटे, होसकोटे, तुम्मनेरला, तुम्मनेर्ला, तुम्मनेरले, मांदिहुंडी, नंदिगुंदपुरा, नंधिगन्नडपुरा, नंदिगुंद, हदिनारु मोल | नंजनगुड | मैसूर | कर्नाटक |
| 3 | बोम्मनायकनहल्ली, बत्तलिगेहुंडी, बत्तलगइहन हुंडी, अगस्त्यपुर, अगस्तिपुरा, अगस्थपुरा, लिंगेगौडनहुंडी, कुप्य, हित्तवल्ली, हित्तुवल्ली, एलेगौडनहुंडी, एलवेगौडनहुंडी, पट्टेहुंडी, पट्टेहुडी, रंगसमुद्र, रणासमुद्र, रंगनाथपुर, रंगनाथपुरा, कांचनहल्ली, सेनापतिहल्ली, सेनापथिहल्ली, बन्नूर, बन्नूरु, माकनहल्ली, मादिगहल्ली, मादगहल्ली, बुगतहल्ली, बुदहल्ली, गाडिजोगिहुंडी, कोडगहल्ली, महादेश्वरन गुडी, अरवट्टिगेकोप्पल, अरवट्टिगेकोप्पलु, चमलापुर, चमलापुरा, सिहल्ली, सीहल्ली, हुच्चम्मन गुडी, हुनसगनहल्ली, हुनसगल्ली, हुनसगहल्ली, मारगौडनहल्ली, मारगौडनहल्ली, मारागौडनहल्ली | तिरुमकूडल नरसीपुर | मैसूर | कर्नाटक |
| 4 | मद्रहल्ली, मादरहल्ली, नेरलेकेरे, बल्लेकेरे, अरकेरे, हुच्चरायण देवस्थान, बल्लेकेरे बेट्ट, बल्लेकेरे, बेट्टहल्ली, गारकहल्ली, चिक्क हारोहल्ली, चिक्कहारोहल्ली, बन्नहल्ली, तड़गवाडी, दोड्डु हारोहल्ली, दोड्डुहारोहल्ली, मोलेनहल्ली, कोडियाल, पिहल्ली, पीहल्ली, आलदहल्ली, हुनसनहल्ली, चोट्नहल्ली, चोट्टनहल्ली, चोट्टहल्ली, केरेमेगलकोप्पलु | श्रीरंगपट्टण | मंड्या | कर्नाटक |
| 5 | कोत्तत्ती, कोत्थत्थी, हुल्केरेकोप्पलु, हुल्केरे, हुलुकेरे, बेविनहल्ली, मोलेकोप्पल, मोलेकोप्पलु, कालेनहल्ली, मायन्ननकोप्पलु, यलियूरु, यलयूरु आर एस, सुंदहल्ली, इंडवालु, इंदुवालु, यारहल्ली, सिद्दय्यनकोप्पलु, सिद्देन कोप्लु, तांडसनहल्ली, थांडसनहल्ली, महात्मा गांधी बडावने, कोननहल्ली, पानकनहल्ली, चंदगालु, कुरिकोप्पलु, होललु, होलली, गानधालु, गनदालु, गंडालु, मल्लनायकनकट्टे, मल्लनायकन काट्टे, भीरगौडनहल्ली, बीरगौडनहल्ली, बीरगौडनहल्ली, होसहल्ली, चिंदिगिरदोड्डी, चिंदगिरिदोड्डी, गोपालपुरा, सातनूरु, कोम्मेरहल्ली, देवगौडनबोरे, देवरायपट्टन बेचराक, कोडहल्ली, कोडगहल्ली, एच. कोडहल्ली, एस.पी. कोडिहल्ली, संपहल्ली, संपल्ली, कोडिहल्ली फार्म, गोरावले, मल्लीगेरे, एच. मल्लीगेरे, जिगुंडीपट्ना, जीगुंडीपट्ट्ना, जीगुंडीपट्ना, होनगनहल्ली, हुलिवान, हुलिवाना, सर्वमान्य इनाम कोडिहल्ली, एस एआई कोडिहल्ली, बक्केगौडनदोड्डी, बोक्केगौडनदोड्डी, गांधीनगर कॉलोनी, होसुरु, बी. होसुर, संबुनहल्ली, शंभुनहल्ली, बिलिदेगलु, बिलिदेगिलु, गौडगेरे, के. गौडगेरे, केब्बहल्ली, जी. केब्बहल्ली, हंचेहल्ली, हंचहल्ली, हंचल्ली, इंदिरानगर, करडिकोप्पलु, द्यापसंद्र, गंडगानहल्ली, उप्पारकनहल्ली, गरुडनहल्ली, मनुगनहल्ली, होदघट्ट, होदघट्ट, इरेगौडनकोप्पलु, ईरिगौडनकोप्पलु, रामेगौडनकोप्पलु, गडगोनहल्ली, गुडीगेनहल्ली, मायप्पनहल्ली, राजेगौडनदोड्डी, राजेगौडनदोड्डी, तंगलगेरे, थंगलगेरे, गुडकनहल्ली, हनगनहल्ली, सिद्देगौडनकोप्पलु, करेकट्टे, गुलिकोप्पलु, चाकनहल्ली, दोड्डु कोट्टगेरे, दोड्डुकोत्थागेरे, चिक्क कोट्टगेरे, बंटेकोप्पलु, बालेनहल्ली, मनगनहल्ली, बसरालू, श्यानभोगनहल्ली, वड्डुरहल्ली, वड्डुरकोप्पलु, माचीगौडनहल्ली, माचगौडनहल्ली, शिवपुरा, शिव पुरा, मोले, मरिसिंगनहल्ली, मरशिंगनहल्ली, मरसिंगनहल्ली, गानीग, बिदरकट्टे, बिदरकट्टे | मंड्या | मंड्या | कर्नाटक |
| 6 | बोम्मनहल्ली, सुनगनहल्ली, मद्देनहल्ली, मुद्दनहल्ली, मुद्देनहल्ली, गिडवनपट्न, लिंगम्मनहल्ली, चिक्क ईगटी, चिक्कयगटी, करडहल्ली, दंडीगनहल्ली, जक्कनहल्ली, तट्टहल्ली, तट्ट हल्ली, डोंडेमादहल्ली, कलिकोप्पलु, कल्लिकोप्पलु, भिमनहल्ली, भीमनहल्ली, गज्जिगनकोप्पलु, गज्जगनकोप्पलु, चोलनहल्ली, चोलेनहल्ली, सम्पनहल्ली, दासगलापुरा, दासगोलापुरा, कसलगेरे, गोलरहल्ली, मुत्संद्र, मुथसंद्र, तिब्बनहल्ली, मल्लिनाथपुरा, अरसेगौडनकोप्पलु, ईरिगौडन कोप्पलु, शेट्टीहल्ली, शेट्टीहल्लीकोप्पलु, तिब्बनहल्लीकोप्पलु, देवलपुरा, नल्कुंडी, कुरुबरकोप्पलु, कुरुबर कोप्पलु, दडमुडीके, कोमनकोप्पलु, तुबिनकेरे, लक्केगौडनकोप्पलु, अरकेरे, ब्यालगेरे, ब्यालदकेरे, बलगेरे, चौधरीकोप्पलु, देवरहल्ली, देवरमादहल्ली, देवर मदहल्ली, हडंगेरे, हडंगेरे, दोड्डु उप्पल, दोड्डुप्पल, दोड्डुउप्पल, रामेनहल्ली, माविनकट्टेकोप्पलु, कोडिहल्ली, कोडी हल्ली, हिदाय, हिदुव, होसकोप्पलु, होस कोप्पलु, तोरेमलनायकनहल्ली, तोरे मल्लनायकनहल्ली, मल्लेनकोप्पलु, मल्लेकोप्पलु, होसूरु (बेस्तराकोप्पलु), होसूरु, अंकनहल्ली, अंकणहल्ली, जक्कनहल्ली, सिल्पापुरा, शिल्पापुरा, डोड्डु चिक्कनहल्ली, चिक्कन्ननहल्ली, दोड्डु चिक्कना हल्ली, तुलसीकोम्बरी, तोलसीकोम्बरी, बिटगोनहल्ली, यादवनहल्ली, कत्तंगुप्पे, कत्तरगुप्पे, कत्रिगुप्पे, शिवनहल्ली, मल्लसंद्र, दुम्मसंद्र, दोम्मसंद्र, अंकनहल्ली, कावलगुंडी, दोड्डुगुनी, दोड्डुगोनी, वडेरहल्ली, वोडेरहल्ली, कोरमरहट्टी, तिम्मलपुरा, तिरुमलपुरा, थिम्लपुरा, चन्नपुरा, होसक्किपाल्य, कालिंगनहल्ली, गोलरहट्टी, गोलरहल्ली, इरबनहल्ली, इरुबनहल्ली, बिचनहल्ली, बीचनहल्ली, हतना, गोल्लरहट्टी, गोल्लर हट्टी, गोल्लरहल्ली, गरुडनहल्ली, गरुडन हल्ली, भैरसंद्र, बैरसंद्र, ब्यारसंद्र, हद्दीनकल्लू बेट्ट, बेट्टदकोटे, ब्याडर होसहल्ली, ब्याडरहोसहल्ली, बेडर होसहल्ली, बिलगुंद, मुसंद्र, मुत्संद्र, कल्लविरनकोप्पलु, हरदनहल्ली, जोड़ी चिक्कनहल्ली, चिक्कन्ननहल्ली, जोड़ीचिक्कनहल्ली, हुल्लेनहल्ली | नागमंगला | मंड्या | कर्नाटक |
| 7 | तरमणकोटे, गोल्लरहट्टी, हंचिहल्ली, मुत्संद्र, मुथसंद्र, कोप्प, कामनहल्ली, कम्मनहल्ली, विट्टलपुरा, विट्टलापुरा, गोल्लरहट्टी, गुलदहल्ली, वराहसंद्र, बैतार होसहल्ली, बैतरहोसहल्ली, ब्याथरहोसहल्ली, होसहल्ली, होस हल्ली, रामसागर, दोड्डु बैरनकेरे, दोड्डुबीरनकेरे, चिक्क बैरनकेरे, चिक्कबीरनकेरे, अम्बलदेवनहल्ली, गोल्लरहट्टी, गुलदहल्ली, तिम्मलपुरा, तिम्मलापुरा, थिम्मलापुरा, कोमारदेवनहल्ली, जडेय, जडिय, मैसंद्र, मायसंद्र, चिक्क शेट्टीकेरे, चिक्कशेट्टीकेरे, निम्बहल्ली, दासिहल्ली, दासिहल्लीपाल्य, दोड्डेरी, कनकूर, कनकूरु, सोरवनहल्ली, कोडिनागसंद्र, केरेवलगेरेहल्ली, गोल्लरहट्टी, बोम्मेनहल्ली, बोम्मनहल्ली, तुबिनकट्टे, तुमिनकट्टे, गिड्डेनहट्टी, गिड्डेनहल्ली, गुड्डेनहल्ली, हरलहल्ली, मुगलूरु, मुगलूर, होनकेरे, मंगीकुप्पे, द्वारनहल्ली, द्वरनहल्ली, संकलापुरा, सुंकलापुरा, एनेमेले, पुरदपाल्य, पुट्टमलडिहल्ली, तालकेरे, दोड्डु दोंकिहल्ली, दोंकिहल्ली, दोड्डुबानहल्ली, चंदूरु, चेंदूरु, पुरा, मादपट्न, सोप्पनहल्ली, सोपानहल्ली, कोंडज्जी, लालनकट्टे, श्रीरामपुरा (शेट्टीहल्ली), श्रीरामपुरा, बल्लेकट्टे, कुरीगुड्पाल्य, कोप्प, कालबोरनहल्ली, गोप्पेनहल्ली, बिचनहल्ली, बीचनहल्ली, रायसंद्र, दोड्डेनहल्ली, गोल्लरहट्टी, माचेनहल्ली, टोपेगौडनपाल्य, मरातिपाल्य (बोरेगौडनपाल्य), मरतिपाल्य, संगेहल्लीपाल्य, संगेनहल्ली, सरीगेहल्ली, सरीगेहल्ली अमानिकेरे, सरीगेहल्ली, सरीगेहल्लीपाल्य, सल्सालू, दंडिनसिवार, दंडिनशिवार, अरकेरे, बुगुडनहल्ली, रामडीहल्ली, रामडीहल्ली, कुनिकेनहल्ली, कुनिकेनहल्ली, बालमडिहल्ली, होसूर, होसूरु, होसहल्ली, होस हल्ली, डुंड, धुंड, कोडिहल्ली, रंगनाथनगर, बोम्मेनहल्ली, बनसंद्र, बानसंद्रपाल्य, हुलिसंद्र, लक्कसंद्र, मारुतिनगर, मारुति नगर, हेग्गेरे, पुट्टमदिहल्ली | तुरुवाकेरे | तुमकुर | कर्नाटक |
| 8 | कुंदुरुपाल्य, कुंदुरु, बिरसंद्रपाल्य, बारेपाल्य, बारे पाल्य, बिरसंद्र, बीरासंद्र, बैरसंद्र, चेन्नरायप्पनपाल्य, कट्टिगेनहल्ली, कट्टिगेहल्ली, गडबनहल्ली, बिलिगेरेपाल्य, बिलिगेरे, बिलिगेरे पाल्य, किब्बनहल्लीपाल्य, हिंदसीगेरे, किब्बनहल्ली पाल्य, किब्बनहल्ली, किब्बनहल्ली, बिलिगेरे, किब्बनहल्ली हेलयूरे, हतना, तिम्लापुरा, थिम्लापुरा, तिम्मलपुरा, जक्कनहल्ली, लक्म्मगोंडनहल्ली, सिगेपाल्य, सीगेपाल्य, कम्मगोंडनहल्ली, अय्यनपाल्य, अय्यनपाल्य, होसूर, होसूरु | तिप्तूर | तुमकुर | कर्नाटक |
| 9 | हलुगुन, हालगुंड, नागेनहल्ली, मालगोंडनहल्ली, पंकजनहल्ली, तिगलनहल्ली, थिगलनहल्ली, गेरेहल्ली, ग्यारेहल्ली, कांतलगेरे, बोरलिंगनपाल्य, तुबरेहल्ली, थुबरहल्ली, अगसरहल्ली, सासलु गोल्लरहट्टी, सासलु, गोपालनहल्ली, सोमलापुरा, अज्जेनहल्ली, तित्तीगोरवनपाल्य, चुंगनहल्ली, गंटीगणपाल्य, गंटेनहल्ली, होसपाल्य, वडेरहल्ली, बल्लेनहल्ली, बुल्लेनहल्ली, माकुवल्ली, गोल्लरहट्टी, सेट्टिकेरे, शेट्टीकेरे, बल्लेनहल्लीहट्टी, गौडनहल्ली, गौडनहल्ली, दासिकेरे, दासिकट्टे, माडीहल्ली, गोल्लरहट्टी, मंचसंद्र, दिब्बदहल्ली, हेसरहल्ली, कुरुबरहल्ली, कुप्पूरु, बेनकनकट्टे, तम्मडिहल्ली, दासिहल्ली, दासिहल्लीपाल्य, दासिहल्ली पाल्य, गोल्लरहट्टी, गांधीनगरा, गांधी नगर, मादापुरा, हरलकट्टे, तगचेघट्ट, अबुजिहल्ली, बेविनहल्ली, बावनहल्ली, कोडलगर, बल्लेनहल्लीहट्टी, बल्लेनहल्ली, आनेकट्टे, अरलिकेरे, अरलेकेरे, उप्पारहल्ली, ओटिकेरे, ओटीकेरे, बारागुरु, ईरेकट्टे, बंजार टांडा, बंजार थांड्या, बानसंद्रकोडीहट्टी, गोल्लारहट्टी, गोल्लारहल्ली, मादापुरहट्टी, चट्टसंद्र, चन्नसंद्र, मैसूरपाल्य, सलूमनेपाल्य, नायकरपाल्य, मल्लिगेरे, मत्तीघट्टपाल्य, बंड्रेहल्ली, बंडारेहल्ली, बंजारहट्टी, रंगापुरा, बसवापट्ना, बेसवपट्ना, निरुवगल्लू, निरुवुगल, निरुवगल, लक्ष्मिपुरा, लक्ष्मीपुरा, गियोपालपुरा, गोपालपुरा, कानिकेरे, कंकेरे, हुच्चनहल्ली, हुचनहल्ली, वड्डुरहट्टी, मत्तीघट्ट, बेलगेहल्ली, बेलगीहल्ली, यल्लेनहल्ली, रंगेनहल्ली, तिम्लापुरा टिंडा, थिम्लापुरा, गाडिगेरेहट्टी, करडिसाबरहट्टी, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली, सोरलमावु, हारेनहल्ली, चौलुकट्टे, चौलकट्टे, लिंगदहल्ली, हंदनकेरे, रामलिंगनपाल्य, होन्नशेट्टीहल्ली, पाल्य, होरिपाल्य, तिम्मलापुरा, तिम्लापुरा, थिम्मलापुरा, गुंगरबागी, साबेनहल्ली, सब्बेनहल्ली, बारगिहल्ली, चिक्क एन्निगेरे, चिक्क एन्नेगेरे, बोम्मेनहल्ली, करेकट्टे, दोड्डु एन्निगेरे, दोड्डेनेगेरे, चोरगोंडनहल्ली, चारगोंडनहल्ली, नडुवनहल्ली, गोल्लरहट्टी, बन्निकेरे, बन्नीकेरे, ब्याडरहल्ली, बादरहल्ली, बाच्चीहल्ली, बल्लेनहल्ली, अंकसंद्र, बंगारकेरे, गोल्लरहट्टी, पापनकोन, होसकेरे, बरगुरु, बेलगुली, गुबेहल्ली, नंदीहल्ली, तोरेमने, सिगेबागी, सीगेबागी, उप्पारहट्टी, रामघट्टे, रामघट्ट, रामगट्ट, रामघट्टेपाल्य, बनियारहट्टी, केंगलापुरा, भिमसंद्र, भीमसंद्र, केंगलापुरपाल्य, होसहल्ली, भरणपुरा, भरनपुरा, पुरदकट्टे, हम्बिनकेरे | चिकनाय कनहल्ली | तुमकुर | कर्नाटक |
| 10 | लम्बानिहट्टी, शंकरनहल्ली, मद्दरहल्ली, कुंबारकट्टेपाल्य, बेन्निगुंडनहल्ली, कुंबारकट्टे, बोम्मसमुद्र | अर्सिकेरे | हसन | कर्नाटक |
| 11 | कुरुबरहल्ली, लम्बानिहट्टी, देवांगनपाल्य, गराग, यडगट्टे, सोमेनहल्ली, बोम्मनपाल्य, गिरीमल्लयनपाल्य, श्रीरामपुरा (बुदिहाल), श्रीरामपुरा, गुलिहल्ली, गुडिहल्ली, गविरंगापुरा, मल्लिहल्ली, मल्लाडिहल्ली, सुदागाडनपाल्य, मिलारपुरा, मायलारपुरा, सुजिकल्लु, सुजिकल, सुजिकल अमानिकेरे, तोटदमने, बेलागुर, गर्गिनबैलु, गर्गिनबल्लू, बरमैनपाल्य, बल्लालसमुद्र, सैयद्नापाल्य, हारगोंडनहल्ली, हरोगोंडनहल्ली, हरविगोंडनहल्ली, नागरकेरे, हंदनकेरे, नेरलकेरे, एस नेरलकेरे, नायिगेरे, नैगेरे, तोनचेनहल्ली, थोनेचेनहल्ली, कैनोडु, कैनाडु, सोमसंद्र, चिक्क तिम्मनपाल्य, मल्लप्पनहल्ली, वीरप्पनपाल्य, तुम्बिनकेरे, थुम्बिनकेरे, कल्लकेरे, कल्केरे, अरलहल्ली, दोड्डु टेकलवट्टी, टेकलवट्टी, सिरगोंडनहल्ली, सिरगोंडनहल्ली, हगलकेरे, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली, गंजीगेरे, करेहल्ली, मनसिनोडु, मेनसिनाडु, मुत्तगुंडी, मुट्टगोंडी, अत्तीगट्ट, अत्तीगट्टे, जोगमनहल्ली, जोगम्मनहल्ली, लिंगदहल्ली, बिली चित्तनहट्टी, चिक्कलघट्ट, सिद्दपनहट्टी, सिद्द्वनदुर्गा, कचवर, कप्पगेरे, सोद्रनाल, कुरुबरहल्ली, होसदुर्गा, गोरवनकल्लू, गोरुविनकल्लू, गोरविनकल, जोड़ी श्रीरंगपुरा, जोड़ीश्रीरंगपुरा, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली, हुनविनाडु, चित्तय्यनहट्टी, चित्तय्यन हट्टी, होसहल्ली, महालक्ष्मीपुरा, मसनिहल्ली, नागतिहल्ली, नागथिहल्ली, होन्नेनहल्ली, केम्पनहल्ली, हक्कितिम्मनहट्टी, देवपुरा, मसनिहल्ली, कोडिहल्ली, कमसागर, जानकल, हालरामेश्वर गुडी, नरसिपुरा, नरसीपुरा, देवपुरा कॉलोनी, बेनकनहल्ली, कांतापुरा, बनसिहल्लीरोप्प (कल्लीरोप्प), बनसिहल्ली, सिद्दप्पनहट्टी, सिद्दप्पन हट्टी, भालिहल्ली, बैलहल्ली, बायलाहल्ली, करडिकट्टे, करडीकट्टे, दोड्डागट्ट, बनसिहल्ली, बनसीहल्ली, तनिगेकल्लू, थानिगेकल, लम्बाडीहट्टी, रोप्प, मल्लपुरा, गुलिहट्टी, गुलिहल्ली, वड्डुरहट्टी, दुग्गवर, रंगाल्यनेहट्टी, सिद्दप्पनहट्टी, सिद्दप्पन हट्टी, मेनसिनोडु | होसदुर्गा | चित्रदुर्गा | कर्नाटक |
| 12 | हुलीकेरे, वेंकटेशपुरा, पापेनहल्ली, मालसिंगनहल्ली, सिरप्पनहल्ली, शिरप्पनहल्ली, तल्या, यम्मेगनुरु, टी. येम्मिगनूर, मद्देरू, नेल्लिकट्टे, नागरघट्ट, पम्पापुरा, इचघट्ट, ईचघट्ट, एचघट्ट, दासय्यनहल्ली, दलवाइहल्ली, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली, शिवगंगे, शिवगंगा, डग्गे, बंजगोंडनहल्ली, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली, चित्रहल्ली, नुलेनुरु, आर. नुलेनूर, गालिमारम्मन गुडी, तोड्रनहालु, थोड्रनाल, लिंगदहल्ली, तिरुमलापुरा, थिरुमलापुरा, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली | होलालकेरे | चित्रदुर्गा | कर्नाटक |
| 13 | अलसिनकेरेहट्टी, टी. सुलेनुरु, द्यापुरदहट्टी, लंबानिहट्टी, मतुक्करहट्टी, माटदकुरुबरहट्टी, सिंगापुरा, हुल्लूरु, बेट्टदनागेनहल्ली, बेट्टादानगेनहल्ली आर एस, बेनकानहल्ली, तिरुमलापुरा, थिरुमलापुरा, कल्लिहट्टी, कुरुबरहल्ली, मनांगी, हलियूरु, हल्लूरु, हलियूर, हिरे गुंटनूर, हिरेगुंटनूरु, हिरेगुंटनूर, होसुरु, चिक्क गुंटनूर, चिक्कगुंटनुरु, चिक्कागुंटनूर, होसहल्ली, कत्तीतम्मनहल्ली, करियम्मनहल्ली, होसहल्लीहट्टी, होसहल्ली, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली, चिक्कापुरा, क्यासापुरा, कोडगुवल्ली, कोडगवल्ली, निलय्यनहट्टी, नेलगेतनहट्टी, मरघट्ट, मरगट्ट, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली, गुत्तीनाडु, सादरहल्ली, बालेकेट्टे, बालागाटे, के बालेकट्टे, चेन्ननहट्टी, ऐतोलू, अय्यनहल्ली, अय्यनहल्ली, कुरुबरहट्टी, कुरुबरहल्ली, कटारहालु, कट्रालू, वड्डुनहल्ली, पापनहल्ली, पापेनहल्ली, रायन्नहल्ली, रायनहल्ली, रायन्ननहल्ली, रुम्मेगट्ट, रिम्मगट्ट, सिद्दवनदुर्गा, सुल्तानीपुरा (लिंगेदहल्ली), सुल्तानीपुरा, चिक्कप्पनहल्ली, मादनायकनहल्ली, मादनैकनहल्ली, सुरेनहल्ली, सूरेनहल्ली, चिप्पिनकेरे, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली, होसाहट्टी, एल्लवर्ती | चित्रदुर्गा | चित्रदुर्गा | कर्नाटक |
| 14 | गौरम्मनहल्ली, गौरम्मनहल्ली, सांगेनहल्ली, बसप्पनहट्टी, बसप्पन हट्टी, कल्लेदेवरपुरा, तोरणगट्टी, तोरणगट्टे, थोरानागट्टे, जम्मापुरा, बेन्नेहल्ली, होन्नमरडी, होन्नेमरडी, अक्कनूरु, दोन्नेहल्ली, दोनेहल्ली, कामगेटनहल्ली, गोल्लरहट्टी, मूडलमाचिकेरे, मूड्लमाचिकेरे, बंगारक्कनगुड्डु, हिरे मल्लनहोल, हिरेमल्लनहुले, गोल्लरहट्टी, सिद्दमनहल्ली, सिद्दम्मनहल्ली | जगालुर | दावणगेरे | कर्नाटक |

**(ii) लिलो 400केवी डीसी क्वाड मूस लाइन का जगालुर-काडाकोला से प्रस्तावित 765/400केवी CN'हल्ली स्टेशन**

| क्रम सं. | गावों के नाम | तहसील | जिला | संघ राज्य/ राज्य क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|
| 1 | दासिहल्ली, दासिहल्लीपाल्य, दासिहल्ली पाल्य, गोल्लरहट्टी, गांधीनगर, गांधी नगर, मादापुरा, हरलकट्टे, हरककट्टे, तगचेघट्ट, अबुजिहल्ली, बेविनहल्ली, बावनहल्ली, अरलीकेरे, अरलेकेरे, उप्पारहल्ली, ओतिकेरे, ओतीकेरे, बरगुरु, बंजार टांडा, बंजार थांड्या, बानसंद्रकोडीहट्टी, मादापुरहट्टी, चत्तसंद्र, मैसूरपाल्य, सालुमनेपाल्य, नायकरपाल्य, मल्लिगेरे, मत्तीघट्टपाल्य, बंद्रेहल्ली, बंडारेहल्ली, बंजारहट्टी, रंगापुरा, बसवपटना, बेसवपटना, निरुवागल्लू, निरुवुगल्लु, निरुवगल, लक्ष्मिपुरा, लक्ष्मीपुरा, गियोपालपुरा, गोपालपुरा, कानिकेरे, कंकेरे, हुच्चनहल्ली, हुचनहल्ली, वड्डुरहट्टी, मत्तीघट्ट, बेलगेहल्ली, बेलगीहल्ली, येल्लेनहल्ली, रंगेनहल्ली, तिम्लापुरा टिंडा, थिम्लापुरा, गोल्लरहट्टी, गोल्लरहल्ली, सोरलमावु, हारेनहल्ली, चौलुकट्टे, चौलकट्टे, लिंगदहल्ली, हंदनकेरे, रामलिंगनपाल्य, होन्नशेट्टीहल्ली, होनशेट्टीहल्ली, पाल्य, होरिपाल्य, तिम्मलापुरा, तिम्लापुरा, थिम्मलापुरा, तिम्लपुरा, गुंगरबागी, गुंगबागी, बरगिहल्ली, बरगीहल्ली, अंकसंद्र, बंगाराकेरे, गोल्लरहट्टी, पापनकोना, होसकेरे, बरगुरु, बेलगुली, गुबेहल्ली, तरिकटे, नंदीहल्ली, तोरेमाने, सिगेबागी, सीगेबागी, उप्पारहट्टी, रामगट्टे, रामघट्ट, रामघट्टेपाल्य, बनियारहट्टी, केंगलापुरा, भिमसंद्र, भीमसंद्र, वड्डुरहट्टी, केंगलापुरपाल्य, होसहल्ली | चिकनायक नहल्ली | तुमकुर | कर्नाटक |

**(iii) 220केवी डीसी लाइन ट्विन जेबरा कंडक्टर के साथ प्रस्तावित हम्पापुरा से 220/66केवी हुगोनाहल्ली सब-स्टेशन तक 2 नंबर 220केवी TB के साथ हुगोनाहल्ली पर**

| क्रम सं. | गावों के नाम | तहसील | जिला | संघ राज्य/ राज्य क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बोम्मनायकनहल्ली, बोम्मनायकनहल्ली, चाकनायकनहल्ली (चनहल्ली), चिक्कनायकनहल्ली, चिक्कन्ननहल्ली, मारुतिनगर, हुयिगोनहल्ली, उयंगनहल्ली, उइगोनहल्ली, हल्लिमारनहल्ली, हाथीमारनहल्ली, बोप्पनहल्ली, अरेबोप्पनहल्ली, गुड्डेनहल्ली, चेन्नपुरा, चन्नपुरा, होसूरु, ईएम होसूरु, एम. होसूर, मारेनहल्ली, मारुवनहल्ली, हरलहल्ली, बेलदकेरे, ब्यालदकेरे, चट्टेनहल्ली, शिवपुरा, बैरापुरा, बायरापुरा, सिरबिलेनहल्ली, शीरबिलेनहल्ली, सिरब्बिलेनहल्ली, कागापुरा, बोम्मनायकनहल्ली, सिलनेरे कोप्पलु, शीलनेरे कोप्पलु, बेन्ने कोप्पलु, बेन्नेकोप्पलु, हक्कीमंचनहल्ली, सिलानारे, शीलानेरे, मरदहल्ली, नविलमारनहल्ली, नविलुमरनहल्ली, गुडगनहल्ली, गुडुगनहल्ली, रामनकोप्पलु, रामनहल्ली, रामनहल्ली, मंचनहल्ली, पी बी मंचनहल्ली, अंचनहल्ली, तेंदेकेरे, थेंदेकेरे, राजघट्ट, कवलकोप्पलु, चटमगेरे, चट्टनगेरे, दासेगौडनकोप्पलु ,अंछेमुद्दनहल्ली, सुडुगाडनकोप्पलु, कोडिहल्ली, बी कोडिहल्ली, हुनसनहल्ली, हुनुसनहल्ली, बेलेकेरे, बल्लेकेरे, गरिगैडनहल्ली | कृष्णराजपेट | मंड्या | कर्नाटक |
| 2 | वलगेरेदेवराहल्ली, वलगेरे देवरहल्ली, नल्लेनहल्ली, नारायणपुरा, जवरेगौडनकोप्पलु, कडब, मोल्लेनहल्ली, मोलेनहल्ली, सनब, कामनायकनहल्ली, कोडल, अंदेकुरबरकोप्पलु, इरेगौडनहल्ली, इरेगौडनहल्ली, येरेगौडनहल्ली, सिंग्रीगौडनकोप्पलु, दोड्डेगौडनकोप्पलु , सुब्बेगौडनकोप्पलु, सनबदकोप्पलु, लक्ष्मिसागर, लक्ष्मीसागर, लक्ष्मि सागर, निलनहल्ली, नीलनहल्ली, होसकोटे, मदेस्वरपुरा, महदेश्वरपुरा, महादेश्वरपुरा, होत्तीगनहल्ली, गांधीनगर, हलेबिडु, हलेबीडु, चिकनहल्ली, चोकनहल्ली, मुड्लकोप्पलु, नरहल्ली, म्यानगर, मेनगर, मादरहल्ली, कोडगहल्ली, एस कोडगहल्ली, नल्लहल्ली, इरेगौडनकोप्पलु | पांडवपुरा | मंड्या | कर्नाटक |
| 3 | कोंडगौडनकोप्पलु, बिल्लेनहल्ली, बोलेनहल्ली, छत्रनहल्ली, बेवकल्लु, बेवुकल्लू, बेवकल्लुकोप्पलु, बेवकलकोप्पलु, बंकनहल्ली, हुलिकेरे, हुलुकेरे, हुचेगौडनकोप्पलु, कन्नहट्टी, होन्नेनहल्ली, ईएम होन्नेनहल्ली, बी होन्नेनहल्ली, हतना, एम हतना, बी. हतना, बेट्टहल्लीकोप्पलु, बेट्टहल्ली, जवरेगौडनकोप्पलु, जवरेगौडनकोप्पलु , बिच्चनहल्ली, बीचनहल्ली, दुद्द, माडला, मादला, केब्बहल्ली, ईएम केब्बहल्ली, एम. केब्बहल्ली, गुन्नायकानहल्ली, गुन्नायकनहल्ली, गुन्नायकान हल्ली, मारनहल्ली, सौदेनहल्ली, औदेनहल्ली, सौदेनहल्ली, होसहल्ली, बी होसहल्ली, एम. होसहल्ली, पुरदकोप्पलु, मल्लघट्ट, मल्लगट्ट, चोकनहल्ली, करडिकोप्पलु, हम्बदमारनहल्ली, हब्बदमारनहल्ली, हम्पापुरा, उप्परकनहल्ली, गंडगनहल्ली, गुडीगेनहल्ली, बिलिदेगलु, बिलिदेगिलु, गिद्देगौडनकोप्पलु | मंड्या | मंड्या | कर्नाटक |

**(iv) 220केवी डीसी लाइन ट्विन जेबरा कंडक्टर के साथ प्रस्तावित हम्पापुरा से 220/66केवी तुबिनाकेरे सब -स्टेशन तक 2 नंबर 220केवी TB के साथ तुबिनाकेरे पर**

| क्रम सं. | गावों के नाम | तहसील | जिला | संघ राज्य/ राज्य क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|
| 1 | तुबिनाकेरे, थुबिनाकेरे, एलेचाकनहल्ली, येलेचाकनहल्ली, यलियूरु, येलियूर, कालेनहल्ली, कर्नाटक मल्लाडी, कर्नाटक मलाडी, रागीमुद्दनहल्ली, उरमारा कसलगेरी, उरमारकसलगेरे, हुल्केरे, हुलुकेरे, मोलेकोप्पल, मोलेकोप्पलु, इंडवालु, इंडुवालु, सुंडहल्ली, मायन्नकोप्पलु, सिद्धय्यनकोप्पलु, यारहल्ली, तांडासननंल्ली, महात्मा गांधी बदावने, पानकनहल्ली, चंदगालु, कुरीकोप्पलु, बिलगुली, बिलिगुली, गनाधलु, गनदालु, गंदालु, होलालु, भिरगौडनहल्ली, कोडहल्ली, संपहल्ली, संपल्ली, मल्लनायकनकट्टे, मल्लनायकन कट्टे, हाद्य, शिवहल्ली, शिवल्ली, गोरावले, मल्लिगेरे, टी मल्लिगेरे, इंदिराबडावने, इंदिरा बडावने, गांधीनगर कॉलोनी, संबुनहल्ली, शंभुनाहल्ली, होसूरु, बी. होसूर, बिलिदेगलु, बिलिदेगिलु, उप्पारकनहल्ली, गंडगनहल्ली, गंटगौडनहल्ली, गुडीगेनहल्ली, हम्पापुरा, हंबदमरनहल्ली, हब्बदमरनहल्ली | मंड्या | मंड्या | कर्नाटक |
| 2 | जक्कनहल्ली, हुनसनहल्ली, चोट्नहल्ली, चोट्टनहल्ली | श्रीरंगपट्टण | मंड्या | कर्नाटक |

**(v) 220केवी डीसी लाइन ट्विन जेबरा कंडक्टर के साथ प्रस्तावित हम्पापुरा से प्रस्तावित 220/66केवी मद्दुर सब-स्टेशन तक 2 नंबर 220केवी TB प्रस्तावित मद्दुर पर**

| क्रम सं. | गावों के नाम | तहसील | जिला | संघ राज्य/ राज्य क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बिलिडेगलु, बिलिडेगिलु, गंडगनहल्ली, गंटगौडनहल्ली, गुडीगेनहल्ली, उप्पारकनहल्ली, हम्पापुरा, हम्बदमारनहल्ली, हब्बदमारनहल्ली, होसूरु, बी. होसुरु, बी. होसूर, गांधीनगर कॉलोनी, केब्बहल्ली, जी. केब्बहल्ली, बक्केगौडनदोड्डी, बोक्केगौडनदोड्डी, गौडगेरे, बी. गौडगेरे, के. गौडगेरे, हंचेहल्ली, हंचहल्ली, हंचल्ली, इंदिरानगर, केरेगोडु, केरगोडु, सर्वमान्य इनाम कोडिहल्ली, एस एआई कोडिहल्ली, एस.आई. कोडिहल्ली, मारलिंगानादोड्डी, कोडिदोड्डी, मोलेकोप्पलु, नल्लहल्ली, नल्लहल्ली, होन्ननायकनहल्ली, होन्नायकनहल्ली, होन्नयकनहल्ली, चिक्का बानसवाडी, चिक्कबनसवाडी, दोड्डु बानसवाडी, दोड्डुबानसवाडी, चामलापुरा, किलार, कीलार, इचागेरे, ईचागेरे, इचागेरे, वोदेघट्ट, दनायकनपुरा, अलकेरे, अल्केरे, मुद्दनगेरे, मुद्दमगेरे | मंड्या | मंड्या | कर्नाटक |
| 2 | होम्बालेगौडनदोड्डी, होम्बाले गौडन दोड्डी, रामपुरा, सोलेपुरा, वलागेरेहल्ली, वोलागेरेहल्ली, लक्कसंद्र, लिंगसंद्र, बेलातूरु, बेलतूतू, बेल्तूर, इरेगौडनदोड्डी, एरेगौडन दोड्डी, होसकेरे, होसकेरे कॉलोनी, चामराजपुरा, देशहल्ली, एस मल्लय्य कॉलोनी, शंकरपुरा, कोत्तनहल्ली, कोत्तन हल्ली, कडलीपुरा, हेम्मनहल्ली, हुलगनहल्ली, चामनहल्ली, चामन हल्ली, शिवपुरा, मद्दुर आर एस, मद्दुर रूरल, कोडिहल्ली, के. कोडिहल्ली, अगरनहल्ली, सोमनहल्ली, रुद्राक्षिपुरा, मद्दुर, मद्दरु | मद्दूर | मंड्या | कर्नाटक |

**(vi) 220केवी डीसी लाइन ट्विन जेबरा कंडक्टर के साथ प्रस्तावित हम्पापुरा से 220/66केवी नागमंगला सब-स्टेशन तक 2 नंबर 220केवी TB के साथ नागमंगला पर**

| क्रम सं. | गावों के नाम | तहसील | जिला | संघ राज्य/ राज्य क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|
| 1 | होसकोप्पलु, जक्कनहल्ली, हरलाकेरे, हुल्लीकेरे, हुलिकेरे, बिरेसवरपुरा, भीरेश्वर पुरा, बिरेस्वरपुरा, नेरलाकेरे, पी नेरलाकेरे, मुदिलिंगनकोप्पलु, मुदिलिंगनहाल, बोरिकोप्पलु, कल्लिनाथपुरा, करदहल्ली, दोड्डु एगती, दोड्डुयगती, गुरुगोलमादिहल्ली, उप्पाराकोप्पलु, मन्नाहल्ली, मन्नाहल्ल, एगाटिकोप्पलु, चिक्क एगाटी, चिक्कयागटी, लिंगम्मनहल्ली, बुरुदुगुंटे, बुरुडेगुंटे | नागमंगला | मंड्या | कर्नाटक |
| 2 | अंकुशपुरा, मुदिगौडनकोप्पलु, बेन्नाहट्टी, बेन्नाट्टी, श्यानभोगनहल्ली, श्यानुबोगनहल्ली, वड्डुरहल्ली, कोडिकोप्पलु, गुंडापुरा, बसरालु, केंचनहल्ली हरिजन कॉलोनी, केंचनहल्ली, कोडगहल्ली, हरकदहल्ली, मुद्देगौडनकोप्पलु, मुद्दे गौडन कोप्पलु, मानगनहल्ली, तिरुमलापुरा, थिरुमलापुरा, मदविरनहल्ली, मदवीरनहल्ली, तारानागरे, तारानिगेरे, बेबी, नांजेगौडनकोप्पलु, हनागनहल्ली, सिद्देगौडनकोप्पलु, नंदहल्ली, नंदीहल्ली, बोम्मनहल्ली, होदाघट्ट, गरुडनहल्ली, भवानीकोप्पलु, मनुगनहल्ली, मल्लाघट्ट, गंडगनहल्ली, गंटीगनहल्ली, उप्पारकनहल्ली, उप्पार कनहल्ली, उप्पारकनहल्ल, हंबादमारनहल्ली, हब्बदमारनहल्ली, हम्पापुरा, बिलिदेगलु, बिलिदेगिलु | मंड्या | मंड्या | कर्नाटक |

मार्ग संरेखण की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपलब्ध है। एतदद्वारा आम जनता को इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से दो महीने के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तावित ट्रांसमिशन का अवलोकन / प्रतिवेदन अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कर सकते हैं और अधिक विस्तृत जानकारी एवं स्पष्टीकरण के लिए, कृपया यहाँ संपर्क करें:

**नाम:** श्री टी. अमरेंद्रनाथ रेड्डी | **पदनाम:** डायरेक्टर
**कार्यालय का पता:** आरएमजेड इन्फिनिटी, पाँचवा तल, प्लॉट नं. 15, उद्योग विहार फेस IV, गुरुग्राम - 122015, हरियाणा, भारत
**ईमेल पता:** tan.reddy@resonia.com, sangeet.attri@resonia.com | **संपर्क नं.:** 8745915399

बेंगलूरु | गुरुवार | 25-06-2026 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## सुविचार

**बुराइयों को देखना और ढूंढना आसान है, लेकिन महानता उसमें है जो कांटों के बीच भी फूल देख ले।**

### दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# आक्रांताओं के नाम पर सड़कें क्यों?

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह कहकर तुष्टीकरण की राजनीति पर करारा प्रहार किया है कि किसी भी सड़क का नाम अत्याचारियों और विदेशी शासकों के नाम पर नहीं होगा। दुनिया में शायद ही कोई देश होगा, जहां उन लोगों के नाम पर सड़कें हैं, जिन्होंने कभी वहां के निवासियों पर अत्याचार किए थे। भारत में बाबर, औरंगजेब समेत कई क्रूर शासकों के नाम पर इलाकों और शहरों तक के नाम हैं। इन लोगों ने हमारे पूर्वजों के साथ कितना बुरा बर्ताव किया था! क्या यह हमें भूल जाना चाहिए? जब कभी इन आक्रांताओं के खिलाफ आवाज उठाई जाती है तो कथित बुद्धिजीवियों का एक वर्ग तुरंत मोर्चा संभाल लेता है। वे इन्हें महान समाजसुधारक और संस्कृति का उद्धारक मानते हैं। उन्होंने विदेशी आक्रांताओं के पक्ष को मजबूती देने के लिए कई कुतर्क गढ़ रखे हैं। इनसे छोटा-सा सवाल है- क्या जर्मनी में 'हिटलर पथ' हो सकता है? क्या इटली में 'मुसोलिनी मार्ग' हो सकता है? क्या ब्रिटेन में इनके नाम पर किसी इमारत का नामकरण हो सकता है? क्या फ्रांस में किसी गली को इनके नाम से संबोधित किया जा सकता है? इन सवालों का एक ही जवाब है- बिल्कुल नहीं। ये देश ऐसा कोई कदम बर्दाश्त नहीं करेंगे। फिर, भारत में क्रूर आक्रांताओं के नाम पर सड़कें क्यों हैं? उनके नाम पर शिक्षण संस्थान क्यों चल रहे हैं? क्या हम अपने देश के महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों, लेखकों, संतों, दार्शनिकों, कलाकारों के नाम पर इनका नामकरण नहीं कर सकते हैं? आजादी के दशकों बाद भी राष्ट्रीय राजधानी में जॉर्ज पंचम की प्रतिमा लगी रही। उसे देखकर ऐसा महसूस होता था कि 'यह शख्स आज भी हमें कड़ी निगाहों से देख रहा है।'

बाद में, उसे हटाकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा लगाई गई। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी का बहुत बड़ा योगदान था। जब ऐसे त्यागी और तपस्वी योद्धाओं की प्रतिमाएं लगाई जाएंगी, किसी सड़क या संस्थान का नामकरण उनके नाम पर होगा तो लोगों को उनसे प्रेरणा मिलेगी। दुष्टों, आक्रांताओं और हत्यारों के नाम पर सड़कें होंगी तो इससे कैसा संदेश जाएगा? जिन्होंने भारत में विश्वविद्यालय तोड़े, मंदिरों का अपमान किया, देव प्रतिमाएं खंडित कीं, पुस्तकालयों में आग लगाई, खोपड़ियों के ढेर लगाए, उनकी सर्वत्र निंदा होनी चाहिए। दुर्भाग्य की बात है कि उनके नाम पर कई जगहों के नाम देखने को मिलते हैं। एक मशहूर अभिनेत्री ने अपने बेटे का नाम कुख्यात विदेशी आक्रांता के नाम पर रखा हुआ है। जिस शख्स की क्रूरता की कहानियों से इतिहास रक्तरंजित है, जिसने कई इलाकों में नवजात से लेकर वृद्ध तक को जिंदा नहीं छोड़ा था, उसके लिए इतना सम्मान क्यों? क्या यह हमारे पूर्वजों, योद्धाओं और असंख्य बलिदानियों का अपमान नहीं है? अक्सर यह कहा जाता है कि विदेशी आक्रांताओं ने यहां कई इमारतें बनवाईं, विकास कार्य किए, शिक्षण संस्थान खोले, विज्ञान एवं तकनीक को बढ़ावा दिया। क्या वे इमारतें बनवाने के लिए जमीन और सामान अपने साथ लेकर आए थे? उन्होंने हमारे देश में, हमारे संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए, हमारे पूर्वजों पर अत्याचार करते हुए इमारतें बनवाई थीं। अगर कोई शिक्षण संस्थान खोला, तो इसलिए, ताकि वहां से ऐसे नौजवान निकलें, जो उनके रंग में रंगे हों और साम्राज्य के लिए कभी खतरा न बनें। अगर उन्होंने विज्ञान एवं तकनीक में कुछ काम किया भी, तो अपने फायदे के लिए किया था। कई लोग कहते हैं कि 'अंग्रेज इस देश में ट्रेन और बिजली लेकर आए थे।' सवाल है- क्या उन्होंने जनकल्याण के लिए ऐसा किया था? उन्होंने इन आविष्कारों के जरिए अपनी लूट-मार को नए स्तर पर पहुंचाया था। उनके लिए जज्बाती होने की कोई जरूरत नहीं है।

## ट्वीटर टॉक

डबल इंजन सरकार के 2.5 साल में राजस्थान दोगुनी रफ़्तार से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। आज सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार, किसान कल्याण और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर निवेश तक हर सेक्टर में अभूतपूर्व तरक्की दिख रही है।

**-भजनलाल शर्मा**

माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज समाज के उन आम, समर्पित और प्रेरणा देने वाले लोगों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गयाजिन्होंने सालों तक बिना किसी स्वार्थ के देश और समाज की सेवा की है, लेकिन जिनके योगदान को पहले इतनी पहचान नहीं मिली थी।

**-दिया कुमारी**

राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय मदन लाल सैनी की पुण्यतिथि पर, हम उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देते हैं।ङ्कङ्कसंगठन के प्रति आपका समर्पण, मेहनत और जनसेवा की भावना हम सभी कार्यकर्ताओं को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

**-अर्जुनराम मेघवाल**

## प्रेरक प्रसंग

# अस्तित्व पहचान की युक्ति

प्रथम विश्वयुद्ध समाप्त होने के बाद यूरोप के अनेक क्षेत्रों में लाखों लोग विस्थापित हो चुके थे। सीमाएं बदल चुकी थीं, सरकारें बदल चुकी थीं, लेकिन सबसे कठिन स्थिति उन लोगों की थी जिनके पास कोई मान्य पहचान नहीं बची थी। इसी समय फ्रिडटयोफ नानसेन को अंतर्राष्ट्रीय राहत कार्यों की जिम्मेदारी मिली। एक बैठक में अधिकारियों ने उन्हें बताया कि शरणार्थियों की समस्या बहुत बड़ी है। नानसेन ने कई देशों के प्रतिनिधियों से बातचीत शुरू की। वे शिविरों में भी गए और लोगों से सीधे मिले। एक दिन उन्होंने एक वृद्ध व्यक्ति को देखा जो सीमा पार नहीं कर पा रहा था। उसके पास कोई वैध दस्तावेज़ नहीं था। नानसेन ने उससे पूछा, 'तुम्हें सबसे अधिक किस चीज़ की आवश्यकता है?' वृद्ध ने कुछ क्षण सोचा और कहा, 'मुझे भोजन चाहिए, लेकिन उससे पहले मुझे यह चाहिए कि दुनिया माने कि मैं अस्तित्व में हूं।' यह उत्तर नानसेन के मन में रह गया। इसके बाद उन्होंने ऐसे यात्रा-पत्र की व्यवस्था के लिए काम किया जिसे कई देश स्वीकार कर सकें। आगे चलकर यही व्यवस्था 'नानसेन पासपोर्ट' के रूप में प्रसिद्ध हुई और हजारों नहीं, लाखों विस्थापित लोगों को यात्रा और नए जीवन का अवसर मिला।

## सामयिक

**समय अब रस्म-अदायगी से ऊपर उठने का है। जब तक हर कोचिंग सेंटर के पास फायर एनओसी, हर व्यावसायिक इमारत के पास सही नक्शा और हर अधिकारी के पास अपनी जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक ये आग के हादसे थमने वाले नहीं हैं। अब जरूरत है एक ऐसे सख्त कानून की, जहां लापरवाही की जिम्मेदारी सीधे उस क्षेत्र के अधिकारी की तय हो, न कि सिर्फ बिल्डिंग मालिक की।**

# हादसों का मंज़र, व्यवस्था की लापरवाही

**अजय कुमार**
मोबाइल : 9335566111

आचार्य चाणक्य ने सदियों पहले एक शाश्वत सत्य कहा था कि बुद्धिमान शासक वही है जो आने वाले संकट को पहले से भांप ले और उसके निराकरण का उपाय करे। लेकिन आज के 'लोकतंत्र' में जब हम लखनऊ की उस तीन मंजिला इमारत को 'लाक्षागृह' बनते देखते हैं, जहां 15 मासूम चिराग एक साथ बुझ गए, तो चाणक्य की वह सीख एक तंज की तरह चुभती है। यह महज एक हादसा नहीं है, बल्कि उस प्रशासनिक शीतनिद्रा का परिणाम है जो केवल लाशों के ढेर पर ही जागती है। लखनऊ के अलीगंज में जो हुआ, वह कोई इत्तेफाक नहीं था। यह उस जर्जर और भ्रष्ट व्यवस्था का निचोड़ है, जहां सुरक्षा मानकों को फाइलों के भीतर दफन कर दिया जाता है और भ्रष्टाचार को धरातल पर फलने-फूलने का मौका दिया जाता है।

सवाल यह नहीं है कि कोचिंग सेंटर में आग क्यों लगी, सवाल यह है कि कोचिंग सेंटर वहां क्यों चल रहा था? वर्ष 2014 में जिस इमारत का नक्शा आवासीय उपयोग के लिए पास हुआ, वह कब और कैसे एक व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में तब्दील हो गई? वर्ष 2016 में जब लखनऊ विकास प्राधिकरण ने उस अवैध निर्माण को ढहाने का आदेश दिया था, तो महज दो महीने बाद वह आदेश किस 'चमत्कारिक' दबाव में रद्द कर दिया गया? इन 10 वर्षों के अंतराल में 30 इंजीनियर और जोनल अधिकारी उस क्षेत्र से गुजरे, क्या किसी की नजर उस इमारत की अवैध व्यावसायिक गतिविधि पर नहीं पड़ी? आंकड़े चीख-चीख कर कह रहे हैं कि यह लापरवाही का नहीं, बल्कि मिलीभगत का एक सुनियोजित तंत्र है। एलडीए के सूत्रों की मानें तो शहर में 30 हजार से अधिक आवासीय भूखंडों पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स खड़े हैं और इनके पीछे इंजीनियरों की एक तय 'रेट लिस्ट' काम करती है। एक चार मंजिला अवैध इमारत के निर्माण पर 20 से 25 लाख रुपये की वसूली का खेल चलता है। जब व्यवस्था ही पैसों की नींव पर टिकी हो, तो सुरक्षा की उम्मीद करना ही बेमानी है। लखनऊ का यह हादसा दिल्ली के मालवीय नगर के होटल और बिहार के निजी अस्पताल की घटनाओं की कड़वी यादें ताजा कर देता है। हर बार घटना के बाद सिस्टम का वही पुराना 'स्क्रिप्टेड' ड्रामा शुरू होता है। हादसे के अगले ही दिन प्रशासन अति-सक्रिय हो जाता है, सीलिंग की कार्रवाई होती है, अधिकारियों को सस्पेंड किया जाता है और कुछ दिनों के लिए एक खौफ का माहौल बनाया जाता है। लेकिन क्या यह समाधान है? कानपुर में 30 से अधिक बड़ी कोचिंग संस्थाओं को सील कर देना, प्रयागराज और वाराणसी में धड़ाधड़ कार्रवाई करना यह सब महज एक स्वांग है। अगर यही फुर्ती हादसे से पहले दिखाई गई होती, तो उन 15 घरों के बुझ चुके चिराग आज अपनी कक्षाओं में पढ़ रहे होते। ब्रिटिश दार्शनिक एडमंड बर्क ने सही कहा था कि समय पर सावधानी बरतना बाद में पछताने से कहीं बेहतर है। दुर्भाग्य यह है कि हमारे यहां प्रशासन 'सावधानी' के बजाय 'हादसे' के बाद 'दिखावटी कार्रवाई' को अपनी जिम्मेदारी समझता है।

इस पूरे प्रकरण की सबसे दर्दनाक कड़ी वह 'फायरमैन' का वायरल वीडियो है, जिसने व्यवस्था की चूलें हिला दी हैं। एक पढ़ा-लिखा सिपाही जब अपनी जान जोखिम में डालकर यह आरोप लगाता है कि असली दोषी बड़े अधिकारी हैं, तो सिस्टम का चेहरा और भी घिनौना हो जाता है। जब तक नीचे के कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाया जाता रहेगा और मलाई खाने वाले अधिकारी सुरक्षित रहेंगे, तब तक जवाबदेही कभी तय नहीं हो पाएगी। मुख्यमंत्री ने मिशन मोड में फायर सेफ्टी ऑडिट के निर्देश दिए हैं, जो स्वागत योग्य है, लेकिन यह ऑडिट कागजों की खानापूर्ति बनकर न रह जाए, इसकी गारंटी कौन लेगा? क्या हर अस्पताल, नर्सिंग होम और कोचिंग सेंटर का वास्तविक ऑडिट होगा, या फिर वही पुरानी परंपरा चलेगी जहां एनओसी केवल टेबल के नीचे के लेन-देन से मिल जाती है?

अवैध निर्माण की समस्या महानगरों में एक कैंसर की तरह फैल चुकी है। बेसमेंट में कोचिंग सेंटर, पार्किंग की जगह पर दुकानें और संकरी गलियों में बहुमंजिला इमारतों का जाल यह सब बिना स्थानीय निकाय, अग्निशमन विभाग और पुलिस की मिलीभगत के संभव नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ राजधानी में इस साल आग लगने की घटनाओं में 65 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बावजूद अगर हम सबक नहीं ले रहे, तो इसका अर्थ है कि हम अगली त्रासदी का निमंत्रण दे रहे हैं। किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी गगनचुंबी इमारतों से नहीं, बल्कि उस सुरक्षा चक्र से होती है जिसे वह अपने नागरिकों के लिए बुनता है। लखनऊ की आग ने साबित कर दिया है कि हमारे सुरक्षा ढांचे में कोई बुनियादी दोष है। आग सिर्फ बिजली के शॉर्ट सर्किट से नहीं लगती, यह लापरवाही की उन लपटों से भी लगती है जो सिस्टम की खामोशी से ईंधन पाती हैं।

राजनीतिक बयानबाजी अपनी जगह है। डिप्टी सीएम का यह कहना कि पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का परिणाम है, और अखिलेश यादव का यह पूछना कि भ्रष्टाचार के ऊपर आखिर कौन सी ताकत है यह सब राजनीति के खेल हैं। लेकिन इन आरोपों-प्रत्यारोपों के बीच वो 15 परिवार हमेशा के लिए सूने हो गए। जिस इमारत में आग लगी, वहां न तो आपातकालीन निकास था, न ही दमकल के आधुनिक यंत्र। यह कैसी विडंबना है कि एक तरफ 'डिजिटल इंडिया' की बात हो रही है और दूसरी तरफ हम उन बुनियादी सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित नहीं कर पा रहे जो 21वीं सदी के शहरी जीवन की अनिवार्य शर्त हैं।

समय अब रस्म-अदायगी से ऊपर उठने का है। जब तक हर कोचिंग सेंटर के पास फायर एनओसी, हर व्यावसायिक इमारत के पास सही नक्शा और हर अधिकारी के पास अपनी जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक ये आग के हादसे थमने वाले नहीं हैं। अब जरूरत है एक ऐसे सख्त कानून की, जहां लापरवाही की जिम्मेदारी सीधे उस क्षेत्र के अधिकारी की तय हो, न कि सिर्फ बिल्डिंग मालिक की। जब तक हादसे की जांच सिर्फ दोषियों को खोजने तक सीमित रहेगी, तब तक हम सिर्फ एक और अगली त्रासदी का इंतजार करेंगे। लखनऊ का लाक्षागृह हमें चेतावनी दे रहा है कि अगर अब भी सिस्टम नहीं जागा, तो आने वाली राख में हमारा ही भविष्य दफन होगा। वक्त का तकाजा है कि हम शोक संवेदनाओं के लफ्जों से आगे बढ़कर, सुरक्षा के धरातल पर ठोस कार्रवाई करें, वरना इतिहास हमें केवल एक 'लापरवाह समाज' के रूप में याद रखेगा।

## नजरिया

# स्मार्टफोन संयमित उपयोग की वैश्विक जरूरत

**ललित गर्ग**
मोबाइल : 9811051133

**भारतीय संस्कृति सदैव संयम की संस्कृति रही है। हमारे ऋषियों ने सिखाया है कि किसी भी साधन का मूल्य उसके उपयोग में निहित होता है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है-दोष आग का नहीं, उपयोगकर्ता का होता है। यही बात स्मार्टफोन पर भी लागू होती है। आज आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी, साइबर साक्षरता और संयमित उपयोग की है। तकनीक का विरोध समाधान नहीं है, बल्कि उसके साथ नैतिकता, विवेक और मानवीय मूल्यों का समन्वय ही स्थायी समाधान है।**

विज्ञान और तकनीक ने मानव सभ्यता को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। आज का युग डिजिटल युग है, जहां एक क्लिक पर पूरी दुनिया हमारी हथेली में सिमट आई है। स्मार्टफोन ने संचार, शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शासन और सामाजिक संबंधों को नई दिशा दी है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी लेकर आती है। स्मार्टफोन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह जितना बड़ा वरदान सिद्ध हुआ है, उतना ही बड़ा अभिशाप भी बनता जा रहा है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों पर इसके दुष्प्रभावों ने पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। आज विश्वभर में यह स्वीकार किया जा रहा है कि स्मार्टफोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। दुर्भाग्यवश, विवेक और अनुशासन के अभाव में इसका नकारात्मक पक्ष अधिक मुखर हो रहा है। स्मार्टफोन की लत बच्चों और युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद, एकाकीपन, हिंसक प्रवृत्तियों, अश्लीलता, साइबर अपराध और सामाजिक विघटन का कारण बन रही है। यही कारण है कि आज केवल परंपरागत समाज और विकासशील देश ही नहीं, बल्कि विकसित देश भी इस चुनौती से निपटने के लिए कठोर कदम उठा रहे हैं।

हाल ही में भारत के हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव की पहल ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। गांव की पहचान साइबर अपराध के केंद्र के रूप में बनने लगी थी। इससे आहत होकर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से स्मार्टफोन त्यागने और बेसिक फोन अपनाने का निर्णय लिया। यह केवल मोबाइल तोड़ने की घटना नहीं, बल्कि समाज की उस पीड़ा की अभिव्यक्ति है, जो तकनीक के दुरुपयोग से उत्पन्न हुई है। गांव के युवाओं का विरोध भी स्वाभाविक है, क्योंकि आज शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं स्मार्टफोन पर निर्भर हैं। इस घटना ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया है-क्या समाधान तकनीक का बहिष्कार है या उसके विवेकपूर्ण उपयोग का संस्कार? विश्व के अनेक देशों ने इस प्रश्न पर गंभीर चिंतन आरंभ कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन, नीदरलैंड, चीन और अमेरिका जैसे देशों में बच्चों और किशोरों के स्मार्टफोन उपयोग को नियंत्रित करने की दिशा में अनेक पहलें हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने किशोरों के सोशल मीडिया उपयोग पर आयु-सीमा तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस ने स्कूलों में स्मार्टफोन प्रतिबंध लागू किया है। ब्रिटेन में भी स्कूलों में मोबाइल उपयोग को सीमित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के विरुद्ध मुकदमे दायर हुए हैं और उन पर भारी जुर्माने लगाए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

वास्तव में स्मार्टफोन जहां वरदान है, वहीं अभिशाप भी है। इससे ज्ञान का भंडार भी उपलब्ध है और भ्रम का संसार भी। यह शिक्षा का माध्यम भी है और अश्लीलता तथा हिंसा का प्रवेश-द्वार भी। यह रोजगार के अवसर भी देता है और साइबर अपराध की राह भी खोलता है। आज अनेक युवा रातों-रात अमीर बनने की लालसा में साइबर ठगी, सेक्सटॉर्शन, ऑनलाइन जुआ और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे अपराधों में फंस रहे हैं।

सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील सामग्री, फेक न्यूज, नफरत और ट्रोल संस्कृति ने सामाजिक मूल्यों को गहरी चोट पहुंचाई है। सबसे अधिक चिंता का विषय बच्चों और किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य है। शोध बताते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और रचनात्मक क्षमता प्रभावित होती है। नींद में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद, चिंता, आत्महत्या की प्रवृत्ति और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है और डिजिटल निकटता के बावजूद भावनात्मक दूरियां बढ़ी हैं। बच्चे खेल के मैदानों से दूर होकर आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं।

विशेषतः स्मार्टफोन एक दुधारी तलवार है'। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और अत्याधुनिक संचार माध्यमों ने इस चुनौती को और अधिक जटिल बना दिया है। एआई जहां शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, वहीं इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। डीपफेक वीडियो, फर्जी ऑडियो, साइबर ठगी, पहचान की चोरी, फेक न्यूज और डिजिटल ब्लैकमेल जैसे अपराधों में एआई का इस्तेमाल चिंताजनक स्तर तक बढ़ गया है। स्मार्टफोन इस पूरी प्रक्रिया का सबसे सुलभ और प्रभावी माध्यम बन गया है। एक साधारण मोबाइल फोन के माध्यम से आज कोई भी व्यक्ति एआई आधारित एप्लीकेशनों का उपयोग कर नकली तस्वीरें और वीडियो तैयार कर सकता है, भ्रामक सूचनाएं फैला सकता है या साइबर अपराधों को अंजाम दे सकता है। विशेष रूप से किशोर और युवा, जिनके पास तकनीकी कौशल तो है लेकिन नैतिक प्रशिक्षण और परिपक्वता का अभाव है, वे अनजाने में अथवा त्वरित लाभ की लालसा में ऐसे कृत्यों में संलिप्त हो सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि एआई और स्मार्टफोन के उपयोग के साथ-साथ डिजिटल नैतिकता, मानवीय मूल्यों और कानूनी जिम्मेदारियों का भी समुचित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि तकनीक मानवता के विकास का साधन बने, विनाश का नहीं। इस संदर्भ में यह कथन अत्यंत प्रासंगिक है-विज्ञान बिना विवेक के विनाश का कारण बनता है, जबकि विवेक के साथ वही विज्ञान मानवता का वरदान बन जाता है।'

ऐसी स्थिति में भारत में भी व्यापक राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता है। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है और एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यदि भारत को विश्वगुरु के रूप में अपनी भूमिका निभानी है, तो उसे तकनीक और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। भारत द्वारा निर्मित नीतियां न केवल देश, बल्कि विश्व के लिए भी मार्गदर्शक बन सकती हैं। इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं-पहला, बच्चों और किशोरों के लिए स्मार्टफोन उपयोग की आयु-सीमा और समय-सीमा निर्धारित की जाए। एक निश्चित आयु तक बच्चों को केवल आवश्यक और नियंत्रित डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

दूसरा, स्कूलों में साइबर साक्षरता और डिजिटल नैतिकता को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग ही नहीं, बल्कि उसके दुष्परिणामों और कानूनी पहलुओं की जानकारी भी दी जानी चाहिए। तीसरा, अभिभावकों को डिजिटल पैरेंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाए। बच्चों को मोबाइल थमाकर जिम्मेदारी पूरी नहीं होती-उन्हें मार्गदर्शन, संवाद और संस्कार भी देने होंगे। चौथा, सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। हानिकारक और अश्लील सामग्री पर प्रभावी नियंत्रण, आयु सत्यापन और एल्गोरिदम की पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। पांचवां, युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और रचनात्मक अवसरों का विस्तार किया जाए, ताकि वे त्वरित धनार्जन के प्रलोभन में अपराध की ओर न बढ़ें।

भारतीय संस्कृति सदैव संयम की संस्कृति रही है। हमारे ऋषियों ने सिखाया है कि किसी भी साधन का मूल्य उसके उपयोग में निहित होता है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है-दोष आग का नहीं, उपयोगकर्ता का होता है। यही बात स्मार्टफोन पर भी लागू होती है। आज आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी, साइबर साक्षरता और संयमित उपयोग की है। तकनीक का विरोध समाधान नहीं है, बल्कि उसके साथ नैतिकता, विवेक और मानवीय मूल्यों का समन्वय ही स्थायी समाधान है। स्मार्टफोन मानव की सेवा का साधन बने, मानव का स्वामी नहीं-इसी में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का कल्याण निहित है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दर्शन

प्रसिद्ध अंबुबाची मेले के अवसर पर बुधवार को गुवाहाटी की नीलाचल पहाड़ी पर स्थित कामाख्या मंदिर में दर्शन के लिए देश भर से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

# धीरे-धीरे वापसी की राह पर चल रही हूं : अलका याग्निक

मुंबई/भाषा। मशहूर पार्श्व गायिका अलका याग्निक ने कहा कि वह 2024 में सुनने संबंधी समस्या को लेकर सुर्खियों से दूर रहने के बाद अब धीरे-धीरे इन परेशानियों से उबर रहीं हैं। वह पद्म भूषण सम्मान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी गई थीं। 'अगर तुम साथ हो' और 'एक दो तीन' जैसे कई मशहूर गीत गाने वालीं याग्निक को मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म भूषण से सम्मानित किया। लंबे समय बाद सार्वजनिक रूप से नजर आईं गायिका कमज़ोर लग रही थीं और एक सहायक की मदद से चल रही थीं।

एक दिन बाद, 60 वर्षीय गायिका ने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट लिखकर अपने दिल की बात बताई। उन्होंने बताया कि दो साल पहले एक वायरल संक्रमण की वजह से उन्हें 'सेंसरीन्यूरल नर्व हियरिंग लॉस' (कान की नस से जुड़ी सुनने की क्षमता का नुकसान) हो गया था। यह सुनने से जुड़ी एक समस्या है जो तब होती है जब कान के अंदरूनी हिस्से में मौजूद कोशिकाएं या दिमाग तक आवाज के संकेत पहुंचाने वाली श्रवण तंत्रिका को नुकसान पहुंचता है। इसके लिए आनुवंशिकता, उम्र बढ़ना, अचानक तेज आवाज के संपर्क में आना और वायरल बुखार जिम्मेदार हो सकते हैं।

याग्निक ने लिखा, ''पिछले दो सालों से मैं चर्चा और सार्वजनिक जीवन से दूर रही हूं और अपनी जिंदगी के सफर के बारे में ज्यादा कुछ साझा नहीं किया है। आपमें से कई लोग जानते थे कि मैं सेहत से जुड़ी मुश्किलों का सामना कर रही थी, और इस पूरे समय में आपका प्यार, दुआएं, संदेश और अटूट समर्थन हर कदम पर मेरे साथ रहा है।'' उन्होंने लिखा, ''आज, जब मैं देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक – प्रतिष्ठित पद्म भूषण – को ग्रहण करने के लिए निकली, तो मेरा मन कृतज्ञता से भरा हुआ था।''

बॉलीवुड की सबसे सफल पार्श्व गायिकाओं में से एक याज्ञनिक ने कहा कि इस सम्मान से वह बेहद अनुगृहीत महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''भले ही इस पर मेरा नाम हो, लेकिन यह उतना ही उन सभी सुनने वालों का भी है जिन्होंने मेरी आवाज को अपनी जिंदगी में जगह दी, मेरे गानों को पीढ़ियों तक आगे बढ़ाया और उतार-चढ़ाव व मुश्किलों के समय में मेरा साथ दिया।''

याग्निक ने कहा, ''यह पल खास तौर पर मायने रखता है क्योंकि यह न सिर्फ मेरे काम को मिली पहचान का प्रतीक है, बल्कि उस ताकत की याद भी दिलाता है जो प्यार, उम्मीद और मुश्किलों से उबरने की क्षमता से मिलती है... मैं धीरे-धीरे वापसी कर रही हूं।'' उन्होंने इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि वह वहां सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए मौजूद रहना चाहती थीं जो उनकी यात्रा का हिस्सा रहे हैं। याग्निक ने लिखा, ''इतने सालों तक आपके स्नेह, दया, प्रार्थनाओं और मुझ पर भरोसे के लिए आपका धन्यवाद। मैं इन सभी को अपने साथ संजोकर रखती हूं।

केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 'चिंतन शिविर 2026' में शामिल हुए। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य इस्पात क्षेत्र में डिजिटलाइजेशन और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना था।

# स्टॉर्मर के इस्तीफे से उठा सवालः क्या आज के ब्रिटेन में कोई प्रधानमंत्री लंबे समय तक टिक सकता है?

एक्सेटर (ब्रिटेन)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता केअर स्टॉर्मर के इस्तीफे ने एक बार फिर यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या मौजूदा ब्रिटिश राजनीतिक व्यवस्था में कोई प्रधानमंत्री लंबे समय तक सत्ता में टिक सकता है ?

स्टॉर्मर पिछले एक दशक में पद छोड़ने वाले छठे ब्रिटिश प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने लेबर पार्टी के नेतृत्व से इस्तीफा दिया, जिसके बाद उनके प्रधानमंत्री पद से हटने का रास्ता भी साफ हो गया है।

खबरों के अनुसार, मेकरफील्ड उपचुनाव में एंडी बर्नहम की निर्णायक जीत के बाद स्टॉर्मर पर पार्टी और मंत्रिमंडल के भीतर दबाव तेजी से बढ़ गया था। हालांकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से पद पर बने रहने की बात कही थी, लेकिन अंततः बढ़ते राजनीतिक दबाव के चलते उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।

विश्लेषकों का कहना है कि स्टॉर्मर ने अपने इस्तीफे की प्रक्रिया को अपेक्षाकृत व्यवस्थित रखने की कोशिश की, ताकि सत्ता हस्तांतरण हाल के वर्षों में बोरिस जॉनसन और लिज़ ट्रस जैसे प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल समाप्त होने के दौरान देखी गई राजनीतिक अव्यवस्था से अलग हो। स्टॉर्मर अत्यधिक लोकप्रिय नेता नहीं माने जाते थे। चुनाव जीतने और प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी लोकप्रियता में हल्का सुधार हुआ, लेकिन यह सुधार अस्थायी साबित हुआ। सर्वेक्षणों में उनका समर्थन स्तर मामूली बढ़त के बाद फिर स्थिरता और बाद में गिरावट की ओर चला गया।

तुलनात्मक रूप से, पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर को 1997 में सत्ता में आने के बाद भारी जनसमर्थन मिला था, जबकि 2010 में गठबंधन सरकार बनने के बाद डेविड कैमरन की लोकप्रियता में भी उछाल आया था। इसके विपरीत, स्टॉर्मर को सत्ता संभालने के बाद केवल सीमित और अस्थिर समर्थन ही मिल सका।

विश्लेषण में यह भी कहा गया है कि भारी संसदीय बहुमत होने के बावजूद स्टॉर्मर की स्थिति उतनी मजबूत नहीं थी जितनी दिखाई देती थी। इसी तरह 2019 के चुनाव के बाद बोरिस जॉनसन को भी लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाला नेता माना गया था, लेकिन वह तीन वर्ष से कुछ अधिक समय में ही पद से हट गए। स्टॉर्मर के राजनीतिक पतन की तुलना उनके पूर्ववर्ती जेरेमी कॉर्बिन के अनुभव से भी की गई है। दोनों नेताओं के समर्थन में गिरावट के पीछे समान स्थिति देखी गयी शुरुआती उम्मीदों के बाद तेजी से विश्वास में कमी।

# अक्षरा सिंह ने लिया सिद्धिविनायक और मां मुंबा देवी के दरबार में आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

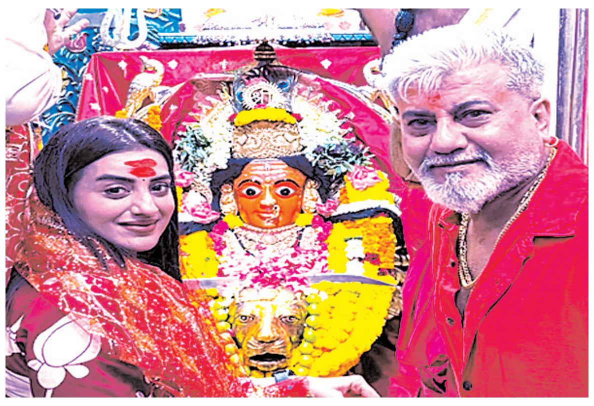

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले वह मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर और मां मुंबा देवी मंदिर में भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंची। अक्षरा सिंह ने इस खास मौके की कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इन तस्वीरों में वह भक्ति भाव से भगवान के दर्शन करती नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना करती दिखाई दे रही हैं, जबकि अन्य तस्वीरों में वह अपने परिवार और करीबी लोगों के साथ नजर आ रही हैं। अक्षरा सिंह ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज का दिन सच में मुझे निशब्द कर गया... सिर्फ दिल में कृतज्ञता है। आज सपनों की राह पर खड़ी होकर सिद्धिविनायक बप्पा और मां मुंबा देवी के चरणों में शीश झुकाने का सौभाग्य मिला।'

अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा, पापा, आचार्य जी और अविनाश के साथ आशीर्वाद लेने पहुंची, तो दिल में बार-बार यही एहसास होता रहा कि जिंदगी में जो कुछ भी मिला है, वह ईश्वर की कृपा, बड़ों के आशीर्वाद और आप सबके प्यार की वजह से मिला है।

अक्षरा सिंह ने अपनी आगामी फिल्म के बारे में भी बात की। उन्होंने लिखा, आपने 'वेलकम टू द जंगल' के मेरे गाने को इतना स्नेह दिया कि वह मेरे लिए सिर्फ एक गाना नहीं, एक खूबसूरत याद बन गया। अब दिल से प्रार्थना है कि 26 जून को रिलीज हो रही फिल्म को भी आप अपना प्यार, अपना आशीर्वाद दें और सिनेमा घरों तक जाकर उसका हिस्सा बनें।

अपने पोस्ट के आखिर में अक्षरा ने एक और खुशी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। उन्होंने लिखा, ''बप्पा और मां का आशीर्वाद ही है कि आज एक और खुशी मिली 'ईठा' का टीजर भी रिलीज हुआ है, जिसका मैं भी एक हिस्सा हूं। दिल से धन्यवाद, बहुत सारा प्यार और कृतज्ञता।''

बता दें कि 'ईठा' फिल्म में श्रद्धा कपूर लीड एक्ट्रेस है। वह फिल्म में लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। इस फिल्म में रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, और यह 28 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# भूमि पेडनेकर दो हफ्ते के लिए बनीं 'फॉर्म गर्ल'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर हाल ही में अपने छोटे से अवकाश का भरपूर आनंद लेती नजर आईं, जहां उन्होंने प्रकृति की गोद में समय बिताया। इस दौरान वे नन्हे बकरियों के बच्चों और पूरी तरह जैविक (ऑर्गेनिक) माहौल के बीच सुकूनभरे पल बिताती दिखीं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने व्यस्त कार्यक्रम से कुछ समय निकालकर प्रकृति के बीच सुकूनभरे पल बिताए। उन्होंने दो सप्ताह एक फार्म पर गुजारे, जिसे उन्होंने अपना घर से दूर दूसरा घर बताया। भूमि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस ग्रामीण प्रवास की कई झलकियां साझा कीं और प्रशंसकों को प्रकृति, घर में उगाए गए ताजा भोजन और फार्म के जानवरों से घिरे अपने जीवन की एक झलक दिखाई।अपने प्रवास का एक वीडियो मोंटाज साझा करते हुए भूमि ने कैप्शन में लिखा:मैं और मेईईईईन...दो हफ्ते तक एक फार्म गर्ल बनकर रही और यह अनुभव बेहद खास रहा।यह मेरा घर से दूर दूसरा घर है, जहां मैं प्रकृति और अपनी पसंदीदा चीजों से घिरी रही।पोस्ट की शुरुआत एक तस्वीर से होती है, जिसमें भूमि एक प्यारे सफेद बकरी के बच्चे को गोद में लिए हुए नजर आ रही हैं। काले रंग के एथलीजर परिधान में सजी अभिनेत्री मुस्कुराते हुए उसके साथ पोज देती दिखीं।एक अन्य वीडियो में भूमि हरे-भरे जंगल के रास्तों पर ट्रेकिंग करती दिखाई देती हैं। उन्होंने फार्म की रोज़मर्रा की गतिविधियों की भी झलक साझा की, जिनमें बगीचे से ताज़ी सब्जियां तोड़ना शामिल था। एक वीडियो में वह घर के बगीचे से पत्तेदार सब्जी तोड़कर खाना बनाने के लिए लेती हुई नजर आती हैं।अभिनेत्री ने फार्म-टू-टेबल जीवनशैली की भी झलक दिखाई। तस्वीरों में ताजी सामग्री से तैयार पौष्टिक भोजन दिखाई दिए, जिनमें रंग-बिरंगी सब्जियों के व्यंजन, सूप, पैनकेक आदि शामिल थे।

कार्य क्षेत्र की बात करें तो, बड़े पर्दे पर भूमि आखिरी बार फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में नजर आई थीं, जिसमें अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में थे।ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वह वेब सीरीज़ 'दलदल' में दिखाई दी थीं।भूमि की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्स से यह भी स्पष्ट होता है कि वह इन दिनों आध्यात्मिकता और प्रकृति को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी आत्मिक यात्रा के बारे में भी बात की थी, जब उन्होंने तिब्बत के आध्यात्मिक और सांसारिक नेता, 14वें दलाई लामा से मुलाकात की।कुछ सप्ताह पहले भूमि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर धर्मशाला यात्रा की तस्वीरें साझा की थीं, जहाँ उन्होंने दलाई लामा से मुलाकात की। उन्होंने एक भावुक नोट भी लिखा: परम पूज्य दलाई लामा की उपस्थिति में सब कुछ हल्का, शांत और अवास्तविक-सा महसूस हो रहा था। वहां से निकलते ही मुझे एहसास हुआ कि मेरी आंखों से आँसू बह रहे थे। उन्होंने आगे लिखा: यह एक ऐसा एहसास है जिसे मैं पूरी तरह शब्दों में नहीं बयां कर सकती, केवल गहराई से महसूस कर सकती हूँ। मैं एक आंतरिक यात्रा पर हूं और ऐसे जादुई पल मेरे दिल को उस जीवन के लिए कृतज्ञता से भर देते हैं जो हमें मिला है। इतनी शांति, गरिमा और करुणा के क्षण का अनुभव करना मेरे लिए सचमुच एक आशीर्वाद है।

समीक्षा

मुंबई में हुई बारिश के बाद, मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने बुधवार को मानसून की तैयारियों और जलभराव से निपटने के उपायों की समीक्षा की।

# बागेश्वर बाबा से मिले टाइगर श्रॉफ, बालाजी पर फिल्म बनाने की योजना पर हुई चर्चा

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई के सनातन मठ में उस समय लोगों की नजरें टिक गईं जब बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने बागेश्वर बाबा से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान समाजसेवा और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर बातचीत हुई। इस दौरान बागेश्वर बाबा द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनसेवा कार्यों की जानकारी टाइगर श्रॉफ को दी गई। इनमें गरीब बेटियों के लिए प्रस्तावित कैंसर अस्पताल का निर्माण और बागेश्वर धाम में चल रही मां अन्नपूर्णा प्रसादम रसोई भंडारे जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। टाइगर श्रॉफ ने इन सभी कार्यों के बारे में ध्यान से सुना और खुले दिल से सराहना की। मुलाकात के आखिर में अभिनेता ने बागेश्वर बाबा को अंगवस्त्र भेंट किया और उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इसी दौरान एक और दिलचस्प पहलू भी सामने आया, जब अभिनेता के एक साथी ने बागेश्वर बाबा को बताया कि वह बालाजी पर एक फिल्म बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। हालांकि इस को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

वहीं, अगर टाइगर श्रॉफ के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने अपने अभिनय की शुरुआत साल 2014 में फिल्म 'हीरोपंती' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ कृति सेनन नजर आई थीं और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इसके बाद, उन्होंने 'बागी' (2016) में दमदार एक्शन के साथ दर्शकों का ध्यान खींचा, जिसमें श्रद्धा कपूर उनके साथ नजर आई थीं। 2018 में आई 'बागी 2' उनके करियर की बड़ी हिट फिल्मों में से एक साबित हुई। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई 'वॉर' टाइगर श्रॉफ के करियर की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर मानी जाती है, इसमें उनके साथ ऋतिक रोशन नजर आए थे। इसके अलावा, उन्होंने 'मुन्ना माइकल', 'ए फ्लाइंग जट्ट', 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2', 'गणपत', और 'बड़े मियां छोटे मियां' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

# शरवरी बोलीं, हर एक्टर का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने जो लोगों के दिलों में बस जाए

मुंबई/एजेन्सी

शरवरी बाघ ने अपनी हालिया रिलीज मैं वापस आऊंगा को मिल रहे अपार प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कहा कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके दिलों और जेहन में बनी रहे। शरवरी बाघ ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के लिए दर्शकों की प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं, थिएटर के दृश्य और गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे।पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यार... मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं।उन्होंने कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने 'मैं वापस आऊंगा' से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।शरवरी के सह कलाकार वेदांग रैना ने भी पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया। फिल्म की बात करें तो इसका निर्देशन इम्तियाज ने किया है। इस पीरियड रोमांटिक ड्रामा में नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'मैं वापस आऊंगा' की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछड़ने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे विषयों को सामने लाती है। फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल-पुथल के कारण प्रभावित होता है। कहानी नसीरुद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाई गई है।यह फिल्म इम्तियाज अली और एआर रहमान की सफल जोड़ी को फिर से साथ लाती है।

# 'लॉक अप' के नए सीजन में कंगना रनौत के न होने पर बोलीं एकता कपूर, 'पूरी तरह बदल गया शो का फॉर्मेट'

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और ओटीटी की दुनिया में एकता कपूर की अपनी अलग ही पहचान है। इन दिनों वह अपने लोकप्रिय रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के नए सीजन को लेकर चर्चा में है। इस बार शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले सीजन को होस्ट करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत इस बार शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसी को लेकर एकता कपूर ने खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। मुंबई में हुए शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने कंगना रनौत के न होने से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, इस बार शो का पूरा फॉर्मेट और विजन बदल दिया गया है। जब शो की पूरी दिशा ही बदल रही है, तो पुराने सेटअप को आगे ले जाना संभव नहीं था। इस बार शो को एक नए तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।

एकता कपूर ने कहा, पहले शो का कॉन्सेप्ट जेलर और होस्ट वाला था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बदल दिया गया है। अब न तो पहले जैसा जेलर सिस्टम है और न ही होस्ट की पुरानी भूमिका। शो को नए रूप में लाने के लिए जरूरी था कि हर पुरानी चीज को हटाकर एक नई शुरुआत की जाए। इस बार शो का डिजाइन और प्रस्तुति दोनों में बड़ा बदलाव किया गया है। अगर पुराने फॉर्मेट को ही बनाए रखा जाता, तो नए सीजन की ताजगी और नया अनुभव दर्शकों तक नहीं पहुंच पाता।

गौरतलब है कि पहले सीजन में कंगना रनौत ने शो को होस्ट किया था, जबकि अभिनेता करण कुंद्रा को जेलर की भूमिका में देखा गया था। इस सीजन के विजेता कमीडियन मुनव्वर फारुकी बने थे। शो का कॉन्सेप्ट जेल-स्टाइल सेटअप पर आधारित था, जहां कंटेस्टेंट्स को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होते थे। नए सीजन की बात करें, तो इस बार शो में 14 कंटेस्टेंट्स होंगे, जिनके साथ दो जेलर भी शामिल किए जाएंगे। शो की अवधि भी तय कर दी गई है और यह लगभग 6 हफ्तों तक चलेगा। नियमों के अनुसार, कंटेस्टेंट्स को इस बार भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होंगे और उसी के आधार पर उन्हें इन-शो करेंसी और सुविधाएं मिलेंगी। नए सीजन के लिए कई नए नामों की भी घोषणा की गई है। इस बार अभिनेता राम कपूर, अभिनेत्री शिवांगी जोशी और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी पामेला सेरेना जैसे चेहरे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आएंगे। इसके अलावा इस बार शो में जेलर की भूमिका रितेश देशमुख और फराह खान निभाएंगे। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

# जन्म से भी अधिक महत्वपूर्ण है संयम ग्रहण करना : डॉ. पदमचंद्रमुनि

## आचार्य पार्श्वचंद्र व डॉ. पदमचंद्रमुनि का दीक्षा दिवस समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ, बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में पुष्कर आराधना केंद्र में आयोजित आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी का 66 वां एवं डॉ. पदमचंद्रमुनिजी का 39वां दीक्षा दिवस समारोह मनाया गया। इस मौके पर डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने कहा कि माँ की कुक्षि से जन्म लेने वाला जन्म-मरण के दुखों को मिटाएगा या नहीं यह आवश्यक नहीं है। किन्तु गुरु मुख से संयम स्वीकार कर सम्यक ज्ञान, दर्शन, चारित्र की आराधना करने वालों को संसार की भव यात्रा से विराम मिल जाता है। आचार्य पार्श्वचंद्र ने अपनी सुदीर्घ संयम पर्याय में अनेकों विशिष्ट साधनाएँ सिद्ध की। वे वचन सिद्ध साधक हैं, कम बोलते हैं परन्तु सटीक कहते हैं। ङ्गजयधुरंधरमुनिजी ने कहा कि खेलने कूदने मौज करने की उम्र में आचार्य पार्श्वचंद्रजी ने संयम स्वीकार कर संसार से अनासक्ति का आदर्श प्रस्तुत किया। आध्यात्मिक, वैज्ञानिक अथवा व्यावहारिक हर क्षेत्र का उन्हें ज्ञान हैं। उनकी जिह्वा पर मनो सरस्वती का वास है। जयकलशमुनिजी एवं जयसुबोधमुनिजी ने गीत द्वारा वातावरण को श्रद्धामय बना दिया। जयपुरंदरमुनिजी मनुष्य भव, जिनवाणी श्रवण, वीतराग वचनों पर श्रद्धा और संयम में पराक्रम को अत्यंत दुर्लभ बताते हुए कहा कि गुरु पारस के सानिध्य में साधक का जीवन धन्य हो जाता है। उन्होंने कहा कि पारसमणि तो संपर्क में आने वाले को सोना कर देता है लेकिन गुरु तो शिष्य को अपने समान बना देते हैं। जयसंयतमुनिजी, समणी प्रमुखा श्रीनिधिजी, समणीनिदेशिका श्रुतनिधिजी, समणी निदेशिका डॉ. सुयशनिधिजी, सुगमनिधिजी, सुधननिधिजी, सुयोगनिधिजी की भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुमुक्षु अभिषेक चोपड़ा के परिवारजनों ने दीक्षा आज्ञा पत्र आचार्य पार्श्वचंद्रजी को समर्पित किया।

पदमचंद्रमुनिजी के 63वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट चातुर्मास समिति हलसूरु के तत्वावधान में ऑल इंडिया जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन द्वारा जुलाई माह में प्रिंसेस श्राइन में होने वाले ज्ञानवर्धक 'जयमल प्रीमियर लीग-2026' के प्रवेश कूपन का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमोद भंडारी एवं अतिथि सुनील शर्मा का जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मीठालाल लोढ़ा, उपाध्यक्ष किरणचंद बोहरा, मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल, कोषाध्यक्ष गौतमचंद मकाणा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता ने सम्मान किया। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केंद्र के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने भी विचार व्यक्त किए। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणकुमार गोटावत, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रेवंतमल नाहर, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुक्मीचंद लुंकड़, चम्पालाल बेताला, जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा कटारिया, राष्ट्रीय मंत्री अमिता नाहर, बेंगलूरु शाखा के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल कांकरिया, उत्तमचंद गादिया, उगमराज बोहरा, उपधान आयोजन समिति के संयोजक राजेन्द्रकुमार नाहर, हलसूरु संघ के किशनलाल कोठारी, सुनील गादिया, चन्द्रप्रकाश मुथा, जेपीपी जैन गुरु सेवा समिति के अध्यक्ष आनंद सेठिया, जेएसपी श्रीश्रीमाल जैन फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी महेंद्र श्रीश्रीमाल, जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन बेंगलूरु के चारों शाखाओं लक्ष्मीनारायणपुरम, हलसूरु, राजाजीनगर, बसवनगुड़ी एवं युवा फाउंडेशन के पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन संघ के मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल ने किया। मीडिया प्रभारी जेके महावीरचंद चोरड़िया ने जयमल संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन व आचार्य पार्श्वचंद्रजी के हलसूरु चातुर्मास प्रवेश की जानकारी दी।

# बेंगलूरु जीतो के खिलाड़ियों ने 37 पदक जीतकर किया शानदार प्रदर्शन

## चेन्नई में आयोजित जीतो नेशनल स्पोर्ट्स मीट में दिखाया कौशल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) द्वारा चेन्नई में दो दिवसीय जीतो नेशनल स्पोर्ट्स मीट 2026 में जीतो बेंगलूरु के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 37 पदक अर्जित किए। बेंगलूरु टीम ने 10 स्वर्ण, 12 रजत एवं 15 कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार परिचय दिया। इस प्रतियोगिता में बेंगलूरु से 82 खिलाड़ियों का चयन हुआ था । चयनित खिलाड़ियों ने अंडर-13, 15 व 19 आयु वर्ग में बालक एवं बालिका श्रेणियों का प्रतिनिधित्व किया। खिलाड़ियों ने बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, शतरंज, स्विमिंग के साथ-साथ 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, तथा लॉन्ग जंप एवं शॉट पुट जैसी ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं में भाग लिया। ङ्गदेशभर से 500 से अधिक खिलाड़ियों की सहभागिता वाली इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीतो बेंगलूरु, केकेजी जोन में सर्वाधिक पदक जीतने वाली टीम तथा किसी भी चैप्टर से सर्वाधिक खिलाड़ियों की सहभागिता करने वाले सम्मान से नवाजा गया।

इस अवसर पर जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया, साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, महामंत्री नितिन लूनिया, स्पोर्ट्स संयोजक शेखर चानोदिया सहित गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

# जीतो गदग लेडीज विंग की 'उड़ान प्रदर्शनी' में दिखा ग्राहकों का उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) हुब्बल्ली चैप्टर के तत्वावधान में गदग लेडीज़ विंग ने 'उड़ान 3.0-मेगा ट्रेड फेयर' का दो दिवसीय आयोजन गदग के विठ्ठलारुढ्ढ समुदाय भवन में किया यह महिलाओं की उद्यमिता, बिज़नेस नेटवर्किंग, पहचान और विकास को बढ़ावा देने वाला एक अनोखा मंच है। गदग लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन स्वीटी भंसाली ने कहा कि उड़ान -3.0 सिर्फ़ एक ट्रेड फेयर या शॉपिंग डेस्टिनेशन से कहीं ज़्यादा है। यह एक ऐसा मंच है जो महिला उद्यमियों की अपार क्षमता को दर्शाता है और यह साबित करता है कि महिलाएँ न केवल सफल गृहणियाँ हैं, बल्कि सक्षम बिज़नेस लीडर, इनोवेटर और धन सृजक भी हैं। इस ट्रेड फेयर में अलग-अलग ज़रूरतों और रुचियों को पूरा करने वाले कई तरह के स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें खास साड़ियाँ और डिज़ाइनर ड्रेस, ज्वेलरी और स्टाइलिश एक्सेसरीज़, चाँदी की चीज़ें, घर की सजावट के सामान, बेकरी के आइटम, स्टेशनरी का सामान, घर पर बने खाने-पीने के उत्पाद, कस्टमाइज़्ड गिफ़्ट आइटम, इंश्योरेंस सेवाएँ, ट्रैवल सॉल्यूशन, रियल एस्टेट सेवाएँ के स्टॉल लगाए गए। गदग और आस-पास के इलाकों से आए लोगों ने इस प्रदर्शनी भाग लिया तथा जमकर खरीददारी दी। संयोजिका संतोष गादिया के नेतृत्व में जीतो टीम ने आयोजन में सहयोग किया।

# केरल के मुख्यमंत्री ने कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी से मादक पदार्थ की तस्करी रोकने में सहयोग मांगा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी के अपने समकक्षों को पत्र लिखकर अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी पर अंकुश लगाने और नशीले पदार्थों के प्रसार को रोकने के लिए संयुक्त कार्रवाई को मजबूत करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह पहल राज्य सरकार के मादक पदार्थ विरोधी अभियान 'ऑपरेशन तूफान' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य केरल को नशे की लत से मुक्त करना और तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करना है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि 'ऑपरेशन तूफान' के तहत खुफिया सूचनाओं पर आधारित प्रवर्तन कार्रवाई तेज कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ तस्करों के वित्तीय नेटवर्क को निशाना बनाया जा रहा है और अवैध रूप से अर्जित उनकी संपत्तियां जब्त की जा रही हैं। सतीशन ने कहा कि मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क कई राज्यों में फैले हुए हैं, इसलिए पड़ोसी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच समन्वित कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। पत्र में कहा गया है कि केरल की सीमाओं से जुड़े कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी के क्षेत्र, प्रमुख राजमार्ग, पर्यटन स्थल, छात्र नेटवर्क और शहरी वितरण केंद्र मादक पदार्थ माफिया द्वारा इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केरल पुलिस ने कई अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे नेटवर्क के खिलाफ राज्यों के बीच वास्तविक समय में खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, संयुक्त अभियान और समन्वित योजना के जरिए अधिक प्रभावी कार्रवाई की जा सकती है।

प्रस्तावित सहयोग के तहत मुख्यमंत्री ने केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी के अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक बुलाकर अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने का अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है कि गृह मंत्री रमेश चेन्निथला, राज्य पुलिस प्रमुख रवाडा चंद्रशेखर और टैक्टिकल कमांडर पुट्टा विक्रमादित्य समन्वित प्रवर्तन प्रयासों को मजबूत करने के लिए कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी के पुलिस प्रमुखों तथा गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

# मंजूनाथनगर युवा मित्र मंच की नई कार्यकारिणी समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजूनाथनगर, शिवनगर के सकल युवा मित्र मंच की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों की एक बैठक जैन भवन में बुधवार को आयोजित हुई। बैठक में आगामी दो वर्षों के कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी समिति का चयन किया गया, जिसमें सर्वसम्मिति से अध्यक्ष पद के नवीन धानेशा, मंत्री अरिहंत गांधी, कोषाध्यक्ष दर्शन आच्छा को चुना गया। बैठक में आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी तथा 20 जुलाई को होने वाले चातुर्मास मंगल प्रवेश को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई। मंत्री ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया एवं नए सदस्यों को संघ के कार्यक्रमों से जुड़कर उनकी उपस्थिति दर्ज कराने का आवाहन किया। सभी सदस्यों ने आगामी चातुर्मास में सहयोग करने का आश्वासन दिया एवं उसकी रूपरेखा बनाई। युवा साथियों ने मुख्य शाखा के साथ मिलकर चलने पर तथा धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, मानव सेवा के कार्यो में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

# कांग्रेस नेता ने आरएसएस से पूछा, यदि सब कुछ पारदर्शी तो पंजीकरण सहित सभी विवरण देने में क्या हर्ज ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मीनाक्षी नटराजन ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से सवाल किया कि यदि सब कुछ पारदर्शी है, तो पंजीकरण और वित्त पोषण सहित सभी विवरण देने में क्या हर्ज है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ''वोट चोरी, सीट चोरी'' का आरोप लगाते हुए, कांग्रेस नेता ने देश में एक के बाद एक राजनीतिक पार्टियों का उन्मूलन करने की साजिश रचने और जानबूझकर कर ऐसी कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या उसका इरादा एक देश, एकदलीय व्यवस्था है।

नटराजन ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, वे (आरएसएस) कहते हैं कि वे कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक संगठन हैं। अगर ऐसा है, तो ठीक है। लेकिन उन्हें अपनी पंजीकरण संख्या बतानी चाहिए, यह खुलासा करना चाहिए कि उसके सदस्य कौन हैं, और ऑडिट किये गए खाते सौंपने चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा ने खुद ही विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) को और कठोर बनाया है। उन्होंने कहा कि अगर आरएसएस को कोई अनुदान मिलता है, तो उसे बताना चाहिए कि यह कौन उपलब्ध कराता है, उसके न्यास की संरचना क्या है, उसका पंजीकृत कार्यालय कहां है।

नटराजन ने कहा, ''उन्हें (आरएसएस को) यह बताना चाहिए कि उन्हें कितना चंदा मिला है, किससे मिला है और वह पैसा कर चुकाने के बाद की आय थी या नहीं - यानी वह पैसा जिसे वे 'गुरु दक्षिणा' कहते हैं। जब उन्हें गुरु दक्षिणा के तौर पर करोड़ों रुपये का चंदा मिलता है, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इस देश के लोगों को इसका विवरण जानने का हक है। क्योंकि अगर कल कोई और संगठन बनता है, तो उनसे भी ये सवाल पूछना गलत नहीं होगा।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि जहां तक उन्हें याद है, देश के पहले उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने भी संघ के समक्ष यही सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा, ''अगर सब कुछ पारदर्शी है, तो आगे आकर विवरण देने में क्या हर्ज है?''

# तमिलनाडु की 152 रिक्त सुपर स्पेशलिटी मेडिकल सीटों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के लिए न्यायालय सहमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए बुधवार को सहमत हो गया, जिसमें तमिलनाडु में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए रिक्त '152 इन-सर्विस' सुपर स्पेशलिटी मेडिकल सीटों को अखिल भारतीय कोटे में सौंपे जाने से रोकने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र और तमिलनाडु सरकार समेत अन्य को नोटिस जारी कर तमिलनाडु मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन' की याचिका पर उनसे जवाब मांगा है। पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, अगर कोई सरकारी डॉक्टर आवश्यक कौशल हासिल कर लेता है, तो वह निजी चिकित्सक की तुलना में जनस्वास्थ्य के लिए बेहतर सेवा दे पाएगा।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि दाखिले के लिए 'इन-सर्विस' एक अलग श्रेणी है, क्योंकि ऐसे उम्मीदवार नौकरी और पढ़ाई दोनों कर रहे होते हैं। पीठ ने इस मामले की सुनवाई जुलाई के लिए निर्धारित की है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने तमिलनाडु के कॉलेजों में 'इन-सर्विस' सुपर स्पेशलिटी मेडिकल पाठ्यक्रम की 152 रिक्त सीटों का ज़िक्र किया, जो शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 के लिए राज्य के लिए आरक्षित थीं। मामले में याचिकाकर्ता ने संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश दिए जाने का आग्रह किया है कि वे अखिल भारतीय कोटा 'काउंसलिंग प्रक्रिया' का दूसरा चरण पूरा होने तक 152 रिक्त मेडिकल सीटों को अखिल भारतीय कोटा में न सौंपें।

तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने 4 जून को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से आग्रह किया था कि वह राज्य की 152 सुपर स्पेशलिटी मेडिकल सीटों को अखिल भारतीय कोटे में सौंपे जाने से रोकने के लिए कदम उठाएं।

# अहिंसा और शाकाहार में ही संभावनाएं हैं जीवसृष्टि की : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

## तेलंगाना के लिए जैनाचार्य का हुआ विहार, श्रद्धालुओं ने दी विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायचूर्। जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने बुधवार को रायचूर से हैदराबाद के लिए मंगल प्रस्थान किया। इस मौके पर जैन समाज के अलावा माहेश्वरी, अग्रवाल, राजपूत, राजपुरोहित, पटेल, चौधरी और ब्राह्मण समाज के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर संतों को विदाई दी तथा विहार सेवा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आहार, मन को और मन जीवन को अत्यंत प्रभावित करता है। जीव सबके बगैर रह सकता है, पर आहार के बिना नहीं रह सकता। जीवन चलाने के लिए आहार अनिवार्य तत्व है। जैन, बौद्ध और वैदिक परंपरा के शास्त्र कहते हैं कि हर युग में कमोबेश शाकाहार होता है। मांसाहार अनिवार्य नहीं होता।

सत्वशाली जीव अल्प आहार ग्रहण करके भी जीवनयापन कर लेते हैं, लेकिन वे किसी भी परिस्थिति में मांसाहार का सेवन नहीं करते। सभ्यताओं के विकास और ह्रास के साथ-साथ आहारचर्या भी बदलती रहती है, पर हर कालखंड में शाकाहार ही श्रेष्ठ माना जाता है। ङ्गङ्गङ्गआचार्यश्री ने कहा कि शाकाहार ही मनुष्य की संस्कृति है। शाकाहार शुद्ध व श्रेष्ठ आहार है। धर्मशास्त्रों का उपदेश है कि दूसरों को कम से कम परेशानी हो, इस प्रकार जीवनयापन करना ही सभ्यता का विकास और सर्वोत्तम जीवनशैली है। शाकाहार में हिंसा न्यूनतम है और सबके हितों का चिंतन सर्वोपरि है। शाकाहारी संस्कृति का कथन है कि सबकी रक्षा करो, उसमें प्राणीमात्र की भलाई है। हवा, पानी, वनस्पति, पृथ्वी और उस पर रहने वाली समग्र जीवसृष्टि, सबका अपना अस्तित्व और महत्व है।

किसी को भी नष्ट करना स्वयं के जीवन की संभावनाओं को नष्ट करने जैसा है। किसी को भी नष्ट करने का विचार ही हिंसा है और बचाने की भावना ही अहिंसा। दुर्भाग्य है हम सबका कि आज हवा, पानी, वनस्पति, अनेक जीव प्रजातियां और पृथ्वी, सब-कुछ समाप्त होने के कगार पर है। यह हिंसक मानसिकता से उपजी विचारधारा है, इसीलिए मांसाहार से मुक्त होना अत्यंत आवश्यक है। शाकाहार को किसी धर्म-संप्रदाय से जोड़कर नहीं देखना चाहिए, उसे तो केवल जीवनमूल्यों के परिपेक्ष्य में ही देखा जाना चाहिए।

# वित्तीय बोझ बढ़ने के बावजूद कर्नाटक में एक जुलाई से लागू होगी वीबी-जी राम जी योजना : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खांद्रे ने बुधवार को कहा कि मनरेगा की जगह लेने वाली नयी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना 'वीबीजी राम जी' राज्य सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ने के बावजूद एक जुलाई से लागू की जाएगी। राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री खांद्रे ने कहा कि यह निर्णय ग्रामीणों, महिलाओं, वंचित समुदायों और अन्य कमजोर वर्गों के हित में लिया गया है।

उन्होंने कहा, केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत पहले मजदूरी का खर्च 90:10 के अनुपात में वहन किया जाता था, जिसमें राज्यों का योगदान केवल 10 प्रतिशत था। मंत्री ने कहा, नयी व्यवस्था के तहत खर्च 60:40 के अनुपात में वहन करना होगा, जिससे राज्य सरकारों पर बोझ काफी बढ़ जाएगा। बेंगलूरु में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, वर्ष 2006 से 2026 तक केंद्र ने कर्नाटक में मनरेगा के तहत लगभग 56,492 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि राज्य ने केवल 4,821 करोड़ रुपये का योगदान दिया। उन्होंने कहा, नयी प्रणाली के तहत राज्य को अकेले एक ही वर्ष में 3,806 करोड़ रुपये वहन करने होंगे, जो एक बड़ा वित्तीय बोझ है।

# अमेरिका-ईरान शांति प्रक्रिया का समर्थन जारी रखेगा पाकिस्तान : मोहसिन नकवी

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने अपने ईरानी समकक्ष इस्कंदर मोमेनी को आश्वासन दिया है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच स्थायी शांति के लिए इस्लामाबाद अपनी कोशिशें जारी रखेगा। मोमेनी मंगलवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक दिन की यात्रा पर आये हैं। अमेरिका और ईरान ने पिछले हफ्ते पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के उद्देश्य से एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। इस हफ्ते की शुरुआत में, उन्होंने स्विट्जरलैंड में तकनीकी स्तर की बातचीत की। यह बातचीत मध्यस्थों - पाकिस्तान और कतर - की मौजूदगी में हुई।बातचीत के बाद, अमेरिका और ईरान 60 दिनों में शांति समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सहमत हुए।इस्लामाबाद में गृह मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी बयान के अनुसार, नकवी और मोमेनी ने पाकिस्तान-ईरान संबंधों तथा क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की।

# ईडी ने पीएमएलए मामले में कर्नाटक में कई स्थानों पर छापेमारी की

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कर्नाटक में पीएमएलए मामले में कई जगहों पर छापेमारी की, जिनमें कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सतीश जारकीहोली के बहनोई वाई. मंजूनाथ के परिसर भी शामिल थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई राज्य के आबकारी विभाग में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत की गई। मंजूनाथ आबकारी विभाग में अतिरिक्त आयुक्त रैंक के अधिकारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सुरक्षा टीम के साथ बेलगावी, बेंगलुरु और मैसूरु जिलों में लगभग 18 परिसरों में छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों पर छापेमारी की गई, उनमें एक उपायुक्त रैंक के अधिकारी और विभाग के कुछ अन्य कर्मचारियों के परिसर भी शामिल थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**